NNS
Media Group Since 1950
प्रकाशन
बदलते भारत की सभ्य तस्वीर
सप्ताहांत
मेरी दिल्ली
Mob. : 08447732401 www.meridelhi.com www.nnsmediagroup.com
वर्ष - 32 अंक - 48 नई दिल्ली, 29 नवम्बर - 05 दिसम्बर, 2020 कुल पृष्ठ - 08 वार्षिक शुल्क 200/- (डाक द्वारा)

ੴ इक ओंकार सतनाम करता पुरखु निरभउ। निरवैर अकाल मूरत अजूनी सैभं गुर प्रसादि।।

Happy Gurpurab Happy Gurpurab

WELCOME®

Thinner for Every Paint

Introduces:

WELCOME SALES CORPORATION
53A/4, Rama Road, New Delhi - 110015 • Phone: 011 - 41427170, 25925114
D-17 & 18, Ranjit Nagar, Commercial Complex, New Delhi - 110008 • Phone: 011 - 25707862 - 63, 42463449, 45002279

सुभाष मित्तल किठानिया ने की कोरोना मरीजों का इलाज कम रेट में करने की मांग

रोहिणी। श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पिटल, रोहिणी के पूर्व महामंत्री सुभाष मित्तल किठानिया ने प्रधान सुरेन्द्र गुप्ता को पत्र लिखकर हॉस्पिटल में कोविड -19 के मरीज़ों का इलाज कम से कम रेट में करने एवं कोरोना मरीजों के लिए अधिक से अधिक बेड आरक्षित किए जाने की मांग की है। सुभाष मित्तल किठानिया ने आग्रह किया है कि कोविड-19 के मरीज़ों का इलाज कम से कम रेट में किया जाए अथवा जो चार्ज नॉन कोविड पेशेंट से लिया जा रहा है उसी रेट में कोविड-19 के मरीजों का भी इलाज किया जाये। साथ ही ट्रस्टी को जो छूट अन्य बीमारियों में दी जाती है वही छूट कोरोना के इलाज में भी दिया जाना चाहिए।

इसके अलावा दाखिले के समय पहले दो लाख रुपए लिए जाते हैं। हर आदमी तत्काल इतने पैसे इकट्ठे जमा करवाने में असमर्थ होता है। पहले 50 हजार रुपए लेकर या ट्रस्टी की गारंटी पर मरीज को दाखिल कर लेना चाहिए। कोरोना का नाम सुनते ही मरीज व उनके परिजन घबरा जाते हैं, ऊपर से लाखों रुपए का बिल देने की चिंता रहती है। समाज के महानुभावों ने करोड़ों रुपय का दान केवल इसलिए दिया था कि जरूरतमंद लोगों की सेवा हो सके। हॉस्पिटल में सभी अत्याधुनिक मशीनों एवं अन्य उपकरणों की व्यवस्था है परंतु अगर इस महामारी के समय 5600 दानदाताओं का दान जनसेवा के काम नहीं आया तो वह दान किस काम का। हम सदैव हॉस्पिटल व प्रबंधन के साथ हैं।

कोरोना के नाम पर केवल शादी-व्याह पर ही अंकुश लगाना कितना न्याय संगत ?

शादी-ब्याह के रोजगार से जुड़े लाखों लोग भुखमरी की कगार पर

व्यापारियों का दुश्मन कौन ?

नई दिल्ली। कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के लिए दिल्ली की ओर कूच कर रहे लाखों किसानों को दिल्ली- हरियाणा बॉर्डर पर रोका जा रहा था। जिसमें किसी ने भी मास्क नहीं पहना था व सोशल डिस्टेंस का तो नामों निशान भी नहीं था। पंजाब व हरियाणा से आ रहे किसानों के भारी जमावड़े से आने-जाने वाले सामान्य नागरिक तो परेशान हो ही रहे थे साथ में कोरोना संक्रमण के फैलने का भी खतरा तेजी से बढ़ रहा था। ऐसे में अब यह प्रश्न उठता है कि एक ओर तो सरकार आम नागरिकों, व्यापार व होटल इंडस्ट्री पर रोज नए-नए आदेश थोप रही है वहीं दूसरी ओर इस तरह के विरोध- प्रदर्शनों को रोकने की बजाय उसे बढ़ावा दिया जा रहा है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को एक ट्वीट कर कहा कि 'केंद्र सरकार के तीनों कृषि बिल किसान विरोधी हैं। यह बिल वापस लेने की बजाय किसानों को शांतिपूर्ण-प्रदर्शन करने से रोका जा रहा है। उन पर वाटर कैनन चलाई जा रही है। किसानों पर यह जुल्म बिल्कुल गलत है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना उनका संवैधानिक अधिकार है।'

इस समय जब दिल्ली में तेजी से कोरोना के केस बढ़ रहे हैं तो सरकार ने ब्याह-शादियों में मेहमानों की संख्या 200 से घटाकर 50 कर दी है। जबकि हरियाणा में कई जगह यह परमिशन 200 लोगों तक भी है। जिसकी वजह से बड़ी संख्या में दिल्ली में होने वाली शादियां हरियाणा में हो रही है। जिसकी वजह से सरकार को रैवन्यू का तो नुकसान हो ही रहा है साथ में आम जनता व व्यापारियों का भी नुकसान हो रहा है। सरकार बाजार बंद करने की बात भी कह रही है। आखिरकार सरकार का यह दोहरा रवैया क्यों है? क्या अब लाखों किसानों के अचानक दिल्ली में आने से कोरोना नहीं फैलेगा? सरकार को किसानों को समझाने की बजाय उनका समर्थन करना क्या न्याय संगत है? दिल्ली में हजारों परिवारों की शादी गर्मियों में कोरोना महामारी के कारण रुकी हुई थी। ऐसे परिवारों को अब नवंबर-दिसंबर में शादियों की उम्मीद थी, किंतु सरकार ने अचानक ही कोरोना का हवाला देकर मेहमानों की संख्या 200 से 50 कर दी है। ऐसे में जिनके घरों में शादी है वह लोग तो परेशान हो ही रहे हैं, साथ में इस इंडस्ट्री (शादी-विवाह) से जुड़े लाखों लोगों का रोजगार भी खतरे में पड़ गया है।

आज एक ब्याह-शादी होती है तो उससे होटल, बैंक्वेट, ज्वेलर्स, कपड़े वाले, घोड़े-बैंडबाजे वाले इत्यादि समेत अनेक लोगों को रोजगार मिलता है। किंतु सरकार ने एक आदेश पारित कर कोरोना संक्रमण में तेजी के लिए केवल शादी-ब्याह को ही जिम्मेदार ठहराते हुए 200 लोगों की बजाए 50 लोगों के शामिल होने का आदेश पारित कर दिया है। सरकार में मौजूद मंत्री, विधायक, अधिकारीगण इत्यादि की सैलरी तो आ रही है किंतु शादी-ब्याह के रोजगार से जुड़े लोग तबाही की कगार पर हैं। वहीं कुछ बैंक्वेट्स व होटलों से खबर आ रही है कि उन्हें अधिकारी किसी ने किसी कानून व कोरोना महामारी का हवाला देकर परेशान भी कर रहे हैं। आखिरकार इस इन्डस्ट्री से जुड़े लोगों की सरकार ने क्या मदद की है। सरकार ने मदद करना तो दूर लोगों का रोजगार भी छीन लिया है। अगर ये व्यापारी टैक्स नहीं भरेंगे तो सरकार को सैलरी देना भी मुश्किल हो जाएगा।

सुशील सिंहल को मातृशोक

स्व. श्रीमती प्रेमलता सिंहल

पंजाबी बाग। प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं बालाजी इवेंट्स कंपनी के चेयरमैन सुशील सिंहल की माताजी श्रीमती प्रेमलता सिंहल का स्वर्गवास बृहस्पतिवार, 26 नवंबर को महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल पंजाबी बाग में हो गया। श्रीमती सिंहल को हार्ट अटैक के बाद 25 नवंबर को ही अस्पताल में दाखिल करवाया गया था, लेकिन चिकित्सकों के हर संभव प्रयास के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। श्रीमती सिंहल का अंतिम संस्कार शुक्रवार, 27 नवंबर को पंजाबी बाग श्मशान भूमि में किया गया। 80 वर्षीया प्रेमलता सिंहल जी अत्यंत धार्मिक प्रवृति की महिला थीं। उनके पति स्वर्गीय प्रो. डी.के. सिंहल का स्वर्गवास पहले ही हो चुका है। श्रीमती सिंहल अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ कर गई है जिसमें पुत्र सुशील सिंहल, पुत्रवधू रश्मि सिंहल, पुत्र निखिल सिंहल, आदित्य सिंहल, पुत्रवधू युविका सिंहल, प्रपौत्र अयान सिंहल, पुत्री रेणु गुप्ता, इंदु मित्तल, दामाद हरि कृष्ण गुप्ता, नरेश गुप्ता प्रमुख हैं।

सुशील सिंहल अनेकों सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक संस्थाओं की स्थापना एवं संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल चैरिटेबल ट्रस्ट पंजाबी बाग के महामंत्री का दायित्व आप तीन कार्यकाल में वहन कर चुके हैं एवं पिछले 30 वर्षों से इस संस्था में किसी न किसी पद पर रहते हुए अपना योगदान देते रहे हैं, जिसमें कंट्रोल बोर्ड सदस्य, उपप्रधान जैसे पद भी सम्मिलित हैं। हरियाणा मैत्री संघ के आप संस्थापक महामंत्री रहे हैं जिसने दिल्ली में हरियाणा की सभ्यता एवं संस्कृति को लोकप्रिय बनाने एवं हरियाणा मूल के लोगों को दिल्ली में एक सांस्कृतिक मंच प्रदान करने का काम किया है। श्री सिंहल सालासर धाम विकास समिति के संस्थापक कोषाध्यक्ष का दायित्व लंबे समय तक वहन कर चुके हैं, जिसके द्वारा सालासर धाम के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। इसी प्रकार बालाजी निरोगधाम, तीर्थ विकास ट्रस्ट, भारत विकास परिषद, भारत लोक शिक्षा परिषद, जन सेवा कैमिस्ट, बांके बिहारी निष्काम ट्रस्ट जैसी अनेकों संस्थाओं में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। श्री सिंहल की सामाजिक सक्रियता का ही परिणाम था कि उनकी माताजी के अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक कोरोना संक्रमण के बावजूद सम्मिलित हुए। रस्म-पगड़ी एवं श्रद्धांजलि सभा मंगलवार, 8 दिसंबर को बावा नत्था सिंह वाटिका, पंजाबी बाग में शाम 3 से 4 बजे तक संपन्न होगी।

स्वर्गीय कैलाश बंसल को समाज के सैंकड़ों लोगो ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

पंजाबी बाग। इस दुनिया में जो भी आया है उसका जाना निश्चित है अर्थात मृत्यु ही जीवन का सास्वत सत्य है किंतु किसी की भी जीवन यात्रा तब ही सफल मानी जाती है जब अपने पीछे संस्कारिक परिवार एवं समाजसेवी के रूप में अपने अतुलनीय योगदान को छोड़कर जाता है। आज के दौर में प्रतिदिन संपूर्ण देश में लाखों लोग मृत्यु का वरण करते हैं किंतु समाज एवं देश में चंद लोगों को ही याद किया जाता है। ऐसे ही सेवाभावी व्यक्ति थे सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं पंजाबी बाग निवासी कैलाश बंसल जी, जो पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे, उन्होंने शनिवार 14 नवंबर को अपने जीवन की अंतिम सांस ली।

उनकी आत्मा की शांति हेतु वीरवार 26 नवंबर को साय 3 से 4 बजे तक नत्था सिंह वाटिका, पंजाबी बाग में श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म-पगड़ी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धांजलि देने हेतु नत्था सिंह वाटिका का संपूर्ण हाल सैकड़ों समाजसेवियों एवं उद्योगपतियों से पूरी तरह भरा हुआ था। हालांकि स्वर्गीय श्री कैलाश बंसल आज हमारे बीच नहीं हैं उनकी यादें ही शेष हैं मगर उनके द्वारा किए गए कार्यों को जब याद किया गया तो उपस्थित सैकड़ों लोगों की आंखें नम हो गई। धार्मिक एवं मिलनसार प्रवृत्ति के धनी स्वर्गीय श्री कैलाश बंसल सबके साथ मिलजुल कर रहने के साथ-साथ अपनों से बड़ों व छोटो का आदर करना उनके व्यवहार में शामिल था। स्वर्गीय कैलाश बंसल ने अपने जीवन में एक बात को ढाला था यानी जियो लाइफ किंग साइज यानी जिंदगी को एक जिंदादिली से जीना चाहिए, हमें हर कार्य को करने का प्रयास करना चाहिए, जहां तक संभव हो हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करनी चाहिए। समाज को एक साथ मोतियों की तरह पिरोकर रखना चाहिए ताकि हम अच्छे समाज व संगठित समाज की संरचना कर सकें।

वास्तव में कैलाश बंसल की कमी हमेशा अग्रवाल समाज को खलती रहेगी तथा उनके द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए योगदान का समस्त बंसल परिवार ऋणी रहेगा। उनके द्वारा स्थापित किए गए आदर्श ना केवल बंसल परिवार के लिए बल्कि इस श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित हुए समाज के सभी लोगों के लिए प्रकाश के पथ पर अग्रसर करने का जरिया बनेंगे। स्वर्गीय कैलाश बंसल अपने पीछे एक भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं जिनमें धर्मपत्नी विमला रानी बंसल, पुत्र कुणाल बंसल, पुत्रवधू शिफा बंसल, पुत्रियां एवं दामाद अंजू एवं राकेश गोयल, वंदना एवं विकास अग्रवाल, पूजा एवं राहुल मित्तल, भाभी बीना देवी बंसल, भाई एवं भाभी संतोष एवं जगमोहन बंसल, संगीता एवं ईश्वर बंसल, बहन एवं बहनोई सीता एवं त्रिलोक गुप्ता, उषा एवं नंद किशोर गर्ग, अनीता एवं सुधीर चौधरी सहित समस्त मित्रगण एवं सगे संबंधी सम्मिलित हैं। मेरी दिल्ली समाचार पत्र परिवार परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता है कि बंसल परिवार को यह दुख सहन करने की क्षमता प्रदान करें एवं ऐसी महान विभूति को अपने श्री चरणों में स्थान दें।

स्व.कश्मीरी लाल गुप्ता जी को 33वीं पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

करोलबाग। मिलनसार, हंसमुख स्वभाव एवं सबको साथ लेकर चलने में विश्वास रखने वाले स्व. कश्मीरी लाल गुप्ता जी (एडवोकेट) की 33वीं पुण्यतिथि पर 24 नवम्बर को उनके परिजनों एवं सगे-सम्बंधियों ने श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। उनका देहांत 24 नवम्बर 1987 में हुआ था। उनके सुपुत्र अनिल गुप्ता ने बताया कि उनकी माताजी रामवती गुप्ता, पुत्र-पुत्रवधू अनिल-सीमा, दीपक-मंजू, शेखर-रजनी, पोते-पोतियां सिमरन, चैरी, अनन्या, सुहानी, सारा, लव्य, सोहम एवं परिवार के सभी सदस्यों एवं सगे-सम्बंधियों ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए सदैव अमर रहने की कामना की। उन्होंने कहा कि वह अपने पिताजी को हर मोड़ पर याद करते हैं क्योंकि उनका मार्गदर्शन उनकी जिन्दगी में बहुमूल्य है और वे हमेशा सभी के दिलों में रहेंगे।

द्वारका विधान सभा क्षेत्र के युवा विधायक विनय मिश्रा ने डाबड़ी वार्ड के वशिष्ठ पार्क क्षेत्र में रोड-गलियों का सम्बन्धित अधिकारी के साथ निरीक्षण किया और जल्द से जल्द इन सभी गलियों के रोड को पक्का बनाने का निर्देश दिया।

एमएलसी स्नातक मेरठ खण्ड क्षेत्र से भाजपा प्रत्यासी दिनेश गोयल को दिया समर्थन

मुजफ्फरनगर। भाजपा कार्यालय मुजफ्फरनगर में बीते दिनों प्रेस कांफ्रेंस रखा गया जिसमें एमएलसी स्नातक मेरठखण्ड क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके कुश पुरी ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ दिनेश गोयल (भाजपा एमएलसी स्नातक प्रत्यासी, मेरठखंड क्षेत्र) को अपना पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश महामंत्री अश्वनी त्यागी, केंद्रीय राज्य मंत्री संजीव बालियान, राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल, जिलाध्यक्ष विजय शुक्ला, विधायक उमेश मलिक, विधायक प्रमोद उटवाल, प्रभारी, संयोजक, सहसंयोजक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला शामली में कैराना विधानसभा, शामली विधानसभा और थानाभवन विधानसभा की कामकाजी बैठक को सम्बोधित करते हुए एमएलसी स्नातक मेरठखण्ड क्षेत्र से भाजपा प्रत्यासी दिनेश गोयल। साथ में हैं क्षेत्रीय मंत्री प्रमोद सैनी, निवर्तमान जिलाध्यक्ष पवन तरार, जिला संयोजक अभय तोमर, जिला सह संयोजक निवेश कुमार आदि।

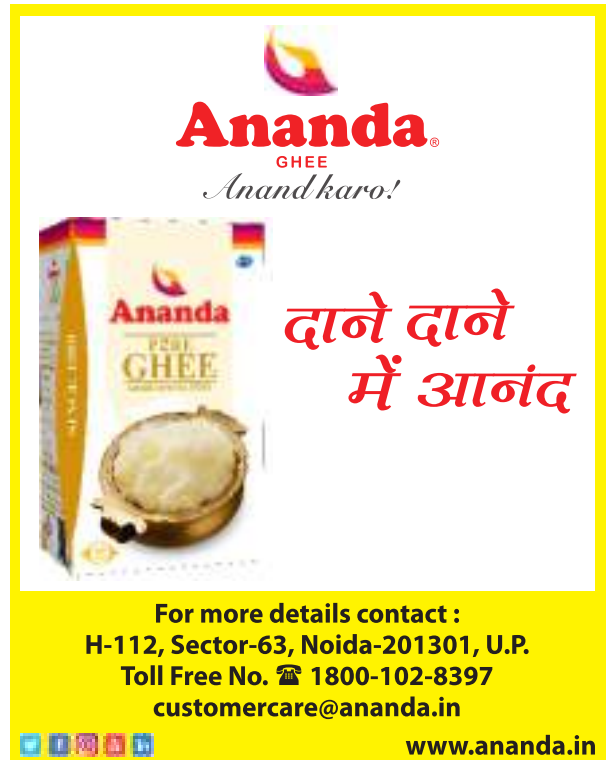

nns एप्लिकेशन
COMMODITY APP
अब बिल्कुल नए रूप में...
क्या खरीदें-क्या बेचें कब खरीदें-कब बेचें
अनाज-दाल
मसाले-सूखे मेवे
तेल-तिलहन
मंदी-तेजी सहित जानकारी आपके मोबाइल पर
बिल्कुल फ्री
तीन दिन तक
9899632000 8447732401

08882-500-400
Royal Pepper banquets
PEERAGARHI
WAZIRPUR
ROHINI

NNS Media Group Since 1950
प्रकाशक
बदलते भारत की सभ्य तस्वीर
सप्ताहांत
मेरी दिल्ली
Mob. : 08447732401 www.meridelhi.com www.nnsmediagroup.com

08882-500-400
THE MAIDENS CROWN BANQUETS
PEERAGARHI
WAZIRPUR
ROHINI

uniwhite
PRIDE OF WALLS
PAINTS | WALL-PUTTY | P.O.P.
95 99 98 05 75 -- 77

संस्थापक : स्वर्गीय नेकीराम गुप्ता । प्रेरणास्त्रोत : स्व. केसर सिंह गुप्ता । संपादक : राजेश गुप्ता । संवाददाता : अक्षय गुप्ता । कार्यालय : मेरी दिल्ली हाउस, 25/10, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26 । मूल्य ` 3:00/- /MeriDelhiNews ई-मेल:nnsonline@nnsonline.com

औरंगजेब लेन का नाम मिटाते देखकर मन को अत्यंत खुशी मिली : भजन लाल सिंगला

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर पिछले दिनों एक वीडियो को देखकर मन को अत्यंत खुशी मिली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष स. मनजिंदर सिंह सिरसा के नेतृत्व में सिख भाईयों ने लुटियन दिल्ली में सड़क पर बनाए गए मार्गदर्शक पट्टिका पर अंकित औरंगजेब लेन नाम पर काला रंग पोत दिया। उन्होंने केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार एवं देश की संसद से सवाल किया कि जिस औरंगजेब की क्रूरता से हिंदू धर्म को बचाने के लिए गुरु तेग बहादुर ने अपने प्राणों का बलिदान कर दिया, हजारों की संख्या में साध-संगत ने भी औरंगजेब सेना की क्रूरता का जमकर मुकाबला किया, उस औरंगजेब के नाम पर आजाद भारत में लोकतांत्रिक सरकारों के शासनकाल में मार्ग का नामकरण क्यों किया गया है? उन्होंने कहा कि ऐसा करना सिख धर्म गुरुओं के बलिदान का अपमान है। औरंगजेब ने पांच एवं आठ साल के बच्चों को जिंदा दीवार में चुनवा दिया था। जब मैं अपने पोते एवं पोती को देखता हूं और उस क्रूर घटना की कल्पना करता हूं तो मेरा कलेजा मुंह को आता है। किसी शासक द्वारा क्रूरता की इससे बड़ी मिसाल इतिहास में नहीं मिलती। यहां तक कि रावण एवं कंस में भी नहीं जिनके पुतले हम प्रत्येक वर्ष जलाते हैं।

औरंगजेब लेन की पट्टिका को काला करते हुए सिरसा जी एवं उनके साथियों को देखकर मुझे ऐसा महसूस हो रहा था कि मैं भी भावनात्मक रूप से इस कार्य में सम्मिलित हूं। सिरसा जी एवं उनके साथी मेरे जैसे देश के करोड़ों नागरिकों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व कर रहे थे एवं वह काम कर रहे थे जिसको करने की इच्छा अपने देश एवं धर्म से प्रेम करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की है। मैं भी लुटियन दिल्ली की सड़कों पर चलते हुए जब औरंगजेब लेन जैसे शिलापट्ट देखता था तो मेरा खून खौलता था और मेरे मन में सवाल खड़ा होता था कि आखिरकार ऐसा क्यों है? मेरे मन को उस समय भी काफी तसल्ली मिली थी जब दिल्ली में औरंगजेब मार्ग का नाम बदलकर भारत सरकार द्वारा भारत के राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर रखने का निर्णय किया गया था। आखिर क्या कारण है कि आजादी के 73 वर्षों बाद भी हमारी सरकारें भारत के उस काले अध्याय को लोगों के मन में जीवंत बनाए रखना चाहती है जिसमें अन्याय, अत्याचार के अलावा कुछ भी नहीं है। क्या भारत के इतिहास में ऐसे नामों की कमी है जो आज भी देश की राजधानी दिल्ली में सड़कों के नामकरण अंग्रेजों एवं मुगलों के नाम पर विद्यमान है। औरंगजेब का नाम भारत के लोगों की स्मृति में उसी प्रकार विद्यमान होना चाहिए जैसे रावण एवं कंस का नाम याद किया जाता है।

Shri Vijay Aggarwal, Director, Hotel City Park being felicitated by Shri Ram Niwas Goel, Hon'ble Speaker, Delhi Vidhan Sabha (L to R) Shri Rajinder Aggarwal, CMD, Hotel City Park; Shri Shiv Charan Goel, MLA, (Moti Nagar Vidhan Sabha); Shri Ram Niwas Goel; Shri Vijay Aggarwal and Shri Rajesh Gupta, Chairman & Managing Director, NNS Media Group

मीना गुप्ता की माताजी स्व. श्रीमती गुलकंदी देवी को अश्रुपूरित नेत्रों से दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

पंजाबी बाग। सुप्रसिद्ध समाजसेविका एवं महिला मंडल पंजाबी बाग की अध्यक्षा श्रीमती मीना गुप्ता जी की माताजी श्रीमती गुलकंदी देवी जी का गत 11 नवंबर को आकस्मिक निधन हो गया था। 85 वर्षीया श्रीमती गुलकंदी देवी जी की रस्म पगड़ी 22 नवंबर को हुई थी, जिसमें कोरोना के बावजूद समाज, मित्रगण, रिश्तेदारों सहित शुभचिंतकों ने उपस्थित होकर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि देकर शोक संतप्त परिवार को इस दुख से निपटने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। स्व. नागरमल चांदवासिया की धर्मपत्नी स्व. श्रीमती गुलकंदी देवी जी का संपूर्ण जीवन जरूरतमंद लोगों की सेवा व ईश्वर की भक्ति में बीता। उन्होंने समाज सेवा व परिवार को एक सूत्र में पिरोए रखने की भावना को अपने बच्चों में जगाया। आज उनकी बेटी श्रीमती मीना गुप्ता समाज सेवा की एक जीती जागती मिसाल है, जिनका नाम समाज में बड़े ही सम्मान से लिया जाता है। इस बात का जिक्र रस्म पगड़ी में आए समाजसेवियों व महानुभावों ने भी किया। इस अवसर पर सैकड़ों सामाजिक संस्थाओं से शोक संदेश प्राप्त हुए।

स्व. श्रीमती गुलकंदी देवी जी अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ कर गई हैं। उनके शोक संतप्त परिवार में पुत्र एवं पुत्रवधू जय प्रकाश - राज बाला सिंगल, जोगेंद्र - सरोज सिंगल, विनोद - मधु सिंगल, पुत्री एवं दामाद माया - राजेंद्र बंसल, विनीता - विनोद गोयल, मीना - सुभाष चंद गुप्ता, सुशीला - मदन लाल बंसल, पौत्री एवं दामाद सुनीता - अमित बंसल, रेणू - मनोज गर्ग, पलक - आशीष गोयल, पौत्र एवं पौत्रवधू अजय - मधु सिंगल, संदीप - पूनम सिंगल, पीयूष - नेहा सिंगल, विजय - मोनिका सिंगल, राकेश - निकिता सिंगल, निशांत सिंगल व पौत्री शालू सिंगल, डॉ. कंचन सिंगल एवं समस्त चांदवासिया परिवार है।

गुरु नानक देव जी के आदर्शों पर चलकर उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करना ही सच्ची कमाई है

थिनर एवं पेन्ट्स की दुनिया में भीष्म पितामह के नाम से विख्यात वेस्ट पंजाबी बाग निवासी, न्यू वैम्बले प्रोडक्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सिख समाज की जानी-मानी शख्सियत डॉ. एच.बी. एस. लाम्बा ने सिखों के प्रथम गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए मेरी दिल्ली को बताया कि सोमवार 30 नवम्बर को गुरु नानक देव जी का 551वां प्रकाश पर्व है। यह पर्व हमारे देश ही नहीं बल्कि विश्व के सभी देशों में एक ऐतिहासिक दिन के रूप में दर्ज हो जाएगा क्योंकि सिख समाज के लोग विश्व के सभी देशों में निवास कर रहे हैं तथा सिख एवं सिखी को बनाएं रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। डॉ. लाम्बा के अनुसार गुरु नानक देव जी का जन्म 15 अप्रैल 1469 को पंजाब के तलवंडी नामक स्थान पर एक किसान के घर हुआ था। तलवंडी जो कि पाकिस्तान के लाहौर से 30 मील की दूरी पर स्थित है। गुरुनानक देव जी का नाम जुड़ने के बाद ही आगे चलकर इस स्थान का नाम ननकाना कहलाया इसलिए गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव पर प्रतिवर्ष भारत से सिख श्रद्धालुओं का जत्था ननकाना साहिब जाकर वहां अरदास करता है। बचपन से ही गुरु नानक देव गम्भीर प्रवृति के थे उन्होनें सामाजिक बुराइयों एवं सांस्कृतिक प्रदूषण को मिटाने के जोरदार प्रयास किए। विशेष तौर पर महिलाओं से भेदभाव से संबंधित शिक्षा पर रोक, जाति व्यवस्था एवं निम्न वर्ग के मंदिरों पर रोक संबंधित जैसे मामलों को दूर करने में गुरु नानक देव जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समाज के उत्थान का यह सिलसिला सिख समाज के पहले गुरु गुरु नानक देव जी से प्रारम्भ होकर दसवें गुरु गुरु गोविन्द सिंह जी तक निरन्तर जारी रहा। यदि हम सभी गुरु नानक देव जी के सच्चे अनुयायी हैं तो हम अपने प्यारे गुरु नानक देव जी का 551वां प्रकाशोत्सव इस आधार पर मनायें कि हम कभी भी जीवन में किसी का हक नहीं खायेंगे, चोरी एवं व्यभिचार नहीं करेंगे, भीख नहीं मांगेंगे, सिर्फ ईमानदारी से कीरत करेंगे तथा गरीबों एवं जरूरतमंदों की यथासंभव मदद करेंगे। यदि हम ऐसा करने में सफल हो गए तो हमारे सिख समाज से ही नहीं बल्कि पूरे देश एवं दुनिया से आधे से ज्यादा अपराध कम हो जाएगा।

डॉ. एच.बी.एस. लाम्बा जी कहते हैं कि यही विडम्बना है कि हम गुरु को मत्था तो टेकते हैं किन्तु उनकी शिक्षाओं पर पहरा नहीं देते। जैसा कि गुरु नानक देव जी के विषय में सभी जानते हैं कि उन्होंने 18 वर्ष तक खेती की और समाज को बताया कि गृहस्थ जीवन कैसे जीया जाता है। आज हमें गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव के अवसर पर गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं का प्रचार - प्रसार करने की आवश्यकता हैं, हम तभी सफल तब हो पायेंगे जब एक-एक व्यक्ति उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन पर लागू करेगा।

गौरतलब है कि गुरु नानक देव जी की जयन्ती हिन्दू कलैण्डर के मुताबिक कार्तिक पूर्णिमा को मनाई जाती है जो कि सिख समाज के लोगों का एक प्रमुख त्यौहार भी है। इस दिन सिख समाज के लोग इस त्यौहार को दीपावली के समान मनाते हैं जिसमें गुरुद्वारों, घरों एवं प्रमुख मार्गो को रोशनी से जगमग किया जाता है जिसक चलते इसे प्रकाश पर्व कहते हैं। इस अवसर पर सभी गुरुद्वारों में लंगर के आयोजन के साथ सिख समाज के संपन्न लोग अपने घरों, कारखानों के आसपास भी लंगरों का आयोजन करते हैं तथा सभी गुरुद्वारों में गुरुवाणी का पाठ होता है। गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं आज के दौर में भी प्रासंगिक हैं। उनकी प्रमुख शिक्षाओं में निष्ठा भाव से मेहनत करना एवं सभी मनुष्यों को एक समान रूप से देखना चाहिए, चाहे वह स्त्री हो या पुरूष। किसी भी निर्दोष जन्तु या जीव को नहीं सताना चाहिए। ईश्वर की शरण में आ गए व्यक्ति को किसी का भी डर नहीं होता। आज की भागदौड़ भरी जिन्दगी और दिनचर्या के बीच सिख कौम के नौनिहाल एवं युवा बच्चे-बच्चियों को जागना पड़ेगा। इसके लिए प्रयास हमें ही करने होंगे।

अंत में डॉ. एच.बी.एस. लाम्बा ने सभी देशवासियों को गुरु नानक जी के प्रकाशोत्सव पर बधाई देते हुए कहा कि हम सभी को ईमानदारी और मेहनत करके उदारपूर्ति करनी चाहिए तथा मेहनत और ईमानदारी से की गई कमाई का कुछ भाग जरुरमंदों की सेवा में भी लगाना चाहिए।

डॉ. एच.बी.एस. लाम्बा
मैनेजिंग डायरेक्टर
न्यू वैम्बले प्रोडक्ट्स

पूर्णतया सुरक्षित, लजीज व्यंजन व बेहतरीन सर्विस के लिए फेमस है होटल सिटी पार्क

कोरोना के समय सरकार की सभी गाइडलाइंस का पूर्ण पालन कर रहा है होटल सिटी पार्क

पीतमपुरा। दिल्ली के पीतमपुरा में स्थित होटल सिटी पार्क ग्राहकों की मेहमान नवाजी के लिए सदैव तत्पर रहा है। इस संबंध में हमने होटल की मैनेजमेंट से बातचीत की जिसके बारे में उन्होंने ने बताया कि कोरोना हो या अन्य सामान्य दिनों की बात हो, हम हमेशा से ही सरकार के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करते हुए कार्य करते हैं।

हमारे यहां काम करने वाले प्रत्येक होटल के कर्मचारी को यह हिदायत है कि वह कोरोना से बचाव के लिए जरूरी सभी गाइडलाइंस का पालन करें। होटल के प्रत्येक कर्मचारी को मुंह पर मास्क लगाने, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने व लगातार हाथ धोने जैसी तमाम जरूरी बातों का पालन करने की सख्त हिदायत दी हुई है। इसी प्रकार होटल में आने वाले प्रत्येक ग्राहक से भी कोरोना से बचाव के लिए जरूरी सभी सरकारी गाइडलाइंस का पालन करवाया जाता है। इन सब के बावजूद कुछ लोगों द्वारा होटल के संबंध में व अन्य तरीकों से बदनाम करने के लिए अफवाह फैलाई जा रही है। हमारा सभी ग्राहकों व अन्य लोगों से आग्रह है कि वह मीडिया व अन्य किसी के बहकावे में न आएं, होटल पूरी तरह से आपकी सेवा के लिए खुला है। आप सभी होटल की बेहतरीन सर्विस व लजीज व्यंजनों का आनंद पहले की तरह ले सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि जब 'मेरी दिल्ली' प्रतिनिधि ने होटल में विजिट किया तो वहां पर हाथ व सामान के साथ जूतों तक को भी सैनिटाइज करवाया गया। उसके बाद होटल में प्रवेश के पश्चात सभी कर्मचारियों के चेहरे पर मास्क था। वहां वेटर के चेहरे पर मास्क के अलावा प्लास्टिक कवर व हांथों में दस्ताने देखने को मिला। लगातार ग्राहकों से सोशल डिस्टेंस का पालन करने के लिए आग्रह किया जा रहा था। इसके अलावा लिफ्ट में भी हाथों को सैनिटाइज करने का प्रबंध किया हुआ था। वहीं खाने की क्वालिटी व सर्विस पहले की तरह बेहतरीन व उत्तम ही नजर आई।

बैंकिंग में कारपोरेट की घुसपैठ खतरनाक

राजेश गुप्ता

खबर है कि कारपोरेट को अपना बैंक खोलने की इजाजत देने का रास्ता खोलने की दिशा में सरकार द्वारा कदम बढ़ा दिया गया है। रिजर्व बैंक की एक अंतरिम समिति द्वारा इस बात की सिफारिश की गई है कि कारपोरेट एवं औद्योगिक समूहों को बैंकों का प्रमोटर बनने की इजाजत दी जानी चाहिए। हालांकि मीडिया में इस खबर की चर्चा उतनी नहीं हुई जितनी होनी चाहिए थी। न ही इतने महत्वपूर्ण विषय पर टीवी चैनलों पर किसी प्रकार की बहस हो सकी। लेकिन जिन लोगों की भारतीय अर्थव्यवस्था में रुचि है एवं जिन लोगों द्वारा इस पर बारीक नजर रखी जाती है उन्होंने रिजर्व बैंक की आंतरिक समिति की इस सिफारिश के प्रति आगाह करने में देर नहीं की है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन, पूर्व डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य एवं एस.एस. मूंदड़ा ने सिफारिश की आलोचना करते हुए कहा है कि इससे जनता द्वारा बैंकों में जमा कराए जाने वाले पैसे का कारपोरेट हाउस एवं औद्योगिक समूहों द्वारा दुरुपयोग करने की घटनाओं में वृद्धि हो सकती है, जिससे जनता का भरोसा बैंकिंग व्यवस्था से समाप्त हो सकता है। ऐसा होने से सरकारी बैंकों की लघु एवं मध्यम दर्जे के उद्यमियों एवं व्यापारियों को ऋण देने की क्षमता बुरी तरह प्रभावित होगी। इसका प्रतिकूल प्रभाव अंततः देश के आर्थिक विकास पर पड़ेगा एवं देश की पूंजी चंद कारपोरेट घरानों एवं औद्योगिक समूहों की तिजोरी में कैद हो जाएगी। इससे देश में अमीर एवं गरीब की खाई और ज्यादा चौड़ी होगी जो अंततः देश की कानून व्यवस्था, सामाजिक समरसता को भी बुरी तरह से नुकसान पहुंचा सकता है। यदि ऐसा होता है तो कारपोरेट घरानों एवं औद्योगिक समूहों की ताकत देश की सरकार बनाने एवं गिराने की और भी ज्यादा बढ़ जाएगी एवं भारत का लोकतंत्र एक मजाक बनकर रह जाएगा। जिस तरह के बैंक घोटाले पिछले वर्षों में सामने आए हैं उनसे ही देश की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह नुकसान पहुंच चुका है। देश की आर्थिक मंदी के लिए वर्तमान सरकार द्वारा कोरोना को जिम्मेदार बताते हुए विश्वास जताया जा रहा है कि आने वाले वित्त वर्ष में इसकी गति काफी बढ़ने वाली है। वास्तविकता इसके विपरीत है। वास्तव में भारतीय अर्थव्यवस्था में गिरावट की प्रवृत्ति पिछले तीन-चार वर्ष से चल रही है या यूं कहें कि नोटबंदी के बाद इस देश की अर्थव्यवस्था कभी पटरी पर वापस लौट ही नहीं सकी तो गलत नहीं होगा। नोटबंदी के झटके से अभी अर्थव्यवस्था उबरने में ही लगी थी कि केंद्र सरकार द्वारा एक देश एक कर जैसे नारे के साथ लागू की गई जीएसटी ने इसे और करारा झटका दे दिया। नोटबंदी एवं जीएसटी के झटके से गिरी पड़ी देश की अर्थव्यवस्था को कोरोना के कारण लगाए गए लॉकडाउन ने पूरी तरह से धराशायी कर दिया। विकासशील एवं और अविकसित देशों में जितना कड़ा लॉकडाउन भारत में लगाया गया उतना किसी दूसरे देश में नहीं लगाया गया। भारत में उस समय सख्त लॉकडाउन लगाया गया जब इसकी आवश्यकता उतनी नहीं थी। जब भारत में कोरोना के मामले प्रतिदिन 100 से भी नीचे आ रहे थे उस समय तो देश ने कर्फ्यू जैसा लॉकडाउन देखा एवं जब प्रतिदिन कोरोना संक्रमितों की संख्या एक लाख के आसपास पहुंचने वाली थी उस समय बाजार, रेल, ऑफिस, हवाई जहाज सब कुछ खुला हुआ था।

कहने का तात्पर्य यह है कि मोदी सरकार द्वारा देश की अर्थव्यवस्था की दृष्टि से लिए गए तमाम फैसले उसकी गति को रोकने वाले सिद्ध हुए हैं। अर्थव्यवस्था के मामले में सरकार द्वारा जल्दबाजी में फैसले लिए गए जिसका दुष्परिणाम देश की जनता को भुगतना पड़ा। अमीर से लेकर गरीब तक सब परेशान नजर आ रहे हैं। उद्योग-व्यापार सब कुछ किसी तरह घिसट रहे हैं। करोड़ों लोगों को अपनी नौकरी एवं काम से हाथ धोना पड़ा है। बाजारों में खरीददार नहीं है एवं बाजार में हलचल पैदा करने के लिए किए जाने वाले सरकार के तमाम प्रयास व्यर्थ सिद्ध हो रहे हैं। इस स्थिति में जब देश की जनता में यह धारणा बनती चली जा रही है कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियां देश के चुनिंदा अमीर घरानों को लाभ पहुंचाने वाली हैं, उस समय बैंकिंग क्षेत्र में भी पूंजीपतियों को प्रवेश की इजाजत देना इस धारणा को और पुख्ता कर देगा जिसकी कीमत अंततः सरकार को भी चुकानी पड़ेगी, भाजपा को भी चुकानी पड़ेगी एवं देश की जनता को तो चुकाना ही पड़ेगा। राहुल गांधी द्वारा जब यह बात कही जाती है कि मोदी जी की सरकार केवल अपने पूंजीपति मित्रों को लाभ पहुंचाने में लगी हुई है एवं उसे देश की आम जनता से कोई लेना-देना नहीं है तो फिलहाल देश की जनता उनकी बात पर भरोसा नहीं करती। राहुल गांधी की बात का जवाब मोदी जी द्वारा अपनी जनकल्याण संबंधी योजनाओं को गिना कर दिया जाता है। जिसमें वह किसानों को 2000 रूपया सब्सिडी साल में तीन बार देते हैं, प्रत्येक घर में गैस कनेक्शन प्रदान कर रहे हैं, प्रत्येक घर में शौचालय बनवा दिया गया है, आयुष्मान योजना का जिक्र करते हैं लेकिन इस बात का उल्लेख नहीं करते कि लोगों के रोजी-रोटी के अवसर समाप्त होते जा रहे हैं, उद्योग-धंधे चौपट हो रहे हैं जिससे लघु एवं मध्यम वर्ग पूरी तरह परेशान है। प्रगति हो रही है तो केवल अंबानी एवं अडानी जैसे बड़े-बड़े उद्योगपतियों की। बैंकों को निजी क्षेत्र में सौंपने से पहले भाजपा एवं मोदी जी को जनता में बन रही इस धारणा पर भी अवश्य विचार करना चाहिए।

E-mail : rgupta@nnsonline.com

लाकडाउन के समय सेवाएं करने वाले लांगरी व स्टाफ सम्मानित

सिरसा व कालका द्वारा दिया गया सम्मान

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के लांगरी व अन्य स्टाफ को कोरोना महामारी के दौरान लगे लाकडाउन में सेवाएं निभाने के लिए कमेटी अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा और हरमीत सिंह कालका द्वारा सम्मानित किया गया। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सलाहकार परमजीत सिंह चंडोक ने जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना महामारी के कारण लगे लाकडाउन के दौरान दिल्ली कमेटी द्वारा लंगर सेवा निरंतर जारी रही और तकरीबन एक लाख लोगों के लिए लंगर पककर जाता रहा।

इस समय के दौरान अपनी जान की परवाह किए बगैर जो लांगरी मैनेजमेंट स्टाफ या अन्य स्टाफ सदस्यों द्वारा अपनी सेवाओं को बखूबी निभाया गया कमेटी द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। जिसमें गुरुद्वारा बंगला साहिब के मैनेजर राजिन्द्र सिंह सैनीए रणजीत सिंहए लंगर के मीत मैनेजर हरभेज सिंह भेजा सहित लंगर की पूरी टीम को दिल्ली कमेटी अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसाए महासचिव हरमीत सिंह कालकाए धर्म प्रचार के मुखी जतिन्द्रपाल सिंह गोल्डी और गुरुद्वारा बंगला साहिब के हैड ग्रंथी ज्ञानी रणजीत सिंह द्वारा सिरोपा और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। ज्ञानी रणजीत सिंह को एक निजी चौनल द्वारा सम्मान के रूप में मिली राशि को भी उन्होंने स्टाफ में बांट दिया। सण् परमजीत सिंह चंडोक ने कहा कि इससे स्टाफ को और अधिक प्रेरणा मिलेगी तथा वह और अधिक बढ़-चढकर सेवा निभायेंगे।

राजनीति से परे देशहित में काम करें : कैलाश सांकला

पंजाबी बाग। दुर्बल दिव्यांग कल्याण सोसायटी के अध्यक्ष एवं पंजाबी बाग वार्ड क्षेत्र से निगम पार्षद कैलाश सांकला द्वारा लगातार 247 दिनों से सहायता शिविर का आयोजन किया जा रहा। 'मेरी दिल्ली' संवाददाता से बातचीत के दौरान श्री सांकला ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते पूरे विश्व में हाहाकार मचा हुआ है ऐसे में हम सबको राजनीति से परे देश के हित में काम करना चाहिए। इसी की छोटी सी यह पहल है जहा प्रतिदिन जरूरतमंद लोगों को शिविर के माध्यम से लाभ पहुंचाया जा रहा है जिसमें अभी तक लगभग 6 लाख लोग लाभान्वित हो चुके हैं। जरूरतमंद लोगों को भोजन, मोदी किट खाद्य सामग्री, बच्चों के लिए मिल्क पाउडर, जूस, फेस मास्क, आयुष मंत्रालय द्वारा बताए गए आयुर्वेदिक काढ़ा, हैंड सेनीटाइजर निगम के स्वास्थ्य कर्मियों को सैंकड़ो पीपीई किट वितरण किया जा रहा है। यह सहायता शिविर

प्रतिदिन सेवा कार्यालय पंजाबी बाग क्लब रोड पैट्रोल पम्प के सामने पश्चिमपुरी में आयोजित किया जाता है।

आंतकवाद का जड़ से सफाया अत्यंत आवश्यक : अनिल आर्य

नई दिल्ली। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में मुम्बई आंतकवादी हमले की 12 वीं बरसी पर 26 नवम्बर को मृतकों व पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही योगाचार्य सेवक जगवानी का 卐कोरोना में योग का महत्व卐 विषय पर उदबोधन हुआ। कार्यक्रम ऑनलाइन गूगल मीट पर आयोजित किया गया। यह कोरोना काल मे परिषद का 125 वां वेबिनार था। उल्लेखनीय हैं कि 26 नवम्बर 2008 को मुम्बई में 10 जगह आंतकवादी हमला हुआ था जिसमें 166 लोग मारे गए थे और 600 से अधिक घायल हुए थे । मुख्य अभियुक्त कसाब को बाद में फांसी दी गई ।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आंतकवाद का जड़ से सफाया अत्यंत आवश्यक है। जो सोच-विचारधारा अच्छे भले पढ़े -लिखे व्यक्ति को हृदय परिवर्तन कर आंतकवादी बना सकती है उस सोच पर प्रहार करना समय की मांग है । आज पूरा विश्व व मानवता उस सोच से प्रताड़ित हो रही है। मुम्बई आंतकवादी हमले ने पूरी मानवता को शर्मसार कर दिया जिसकी गूंज दुनिया के कोने कोने में सुनाई दी। उन बेकसूर लोगो के प्रति विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते है साथ ही जो पुलिस अधिकारी कर्त्तव्य की बलिवेदी पर कुर्बान हो गए उनको भी शत शत नमन करते हैं । योगाचार्य सेवक जगवानी ने योग के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि कोरोना ने विश्व के करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। वही भारत की स्थिति अन्य देशों की तुलना में ठीक है। दो गज दूरी, योग व प्राकृतिक उपायों से देश कोरोना को भारत मे भयानक स्थिति में जाने से रोक सका है। माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने योग को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। योग अनंत आनंद को प्राप्त करने का साधन है। उन्होंने बताया कि कोरोना फेफड़ों की बीमारी है इसलिए हमे फेफड़ों का अधिक ध्यान रखना है। प्राणायाम करने से ब्लॉकेज नही होगी और रोगप्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ेगी। पहला सुख निरोगी काया बताते हुए उन्होंने कुछ सूक्ष्म व्यायाम, हस्त मुद्रा आदि का प्रशिक्षण दिया। साथ हीं उन्होंने बताया कि चौरासी लाख योनियों में केवल मनुष्य ही है जिसे हंसने का कौशल है किंतु मनुष्य ही सबसे ज्यादा रोता है। चिंता को त्याग कर योग को अपना कर जीवन को सुखमय बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम अध्यक्ष सीए राजीव पुरी (कांगड़ा) ने शाकाहार के प्रति लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि शाकाहार मनुष्य का भोजन है और वेदों में भी इसका वर्णन भी मिलता है। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि योग के माध्यम से शरीर मे स्फूर्ति व ऊर्जा बनी रहती है। सूर्य नमस्कार को प्रतिदिन करना चाहिए। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि साध्य, साधक व साधन का एकीकरण हीं योग है। गायक रविन्द्र गुप्ता, रजनी गोयल, प्रतिभा सपरा, बिन्दु मदान, दीप्ति सपरा, जनक अरोड़ा, आशा आर्या आदि ने मधुर गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य रुप से आचार्य महेन्द्र भाई, प्रेमलता सरीन, अनिल सेठी, उर्मिला आर्या, आनन्द सूरी, विजेन्द्र गर्ग, डॉ. रचना चावला, देवेन्द्र गुप्ता, वेदपाल आर्य (सोनीपत) आदि उपस्थित थे।

मेरी दिल्ली –मेरी शान

पराली की दवा का नि :शुल्क वितरण जरुरी

अक्षय गुप्ता

दिल्ली सरकार द्वारा विज्ञापन के माध्यम से दावा किया जा रहा है कि उसने पूसा इंस्टीट्यूट द्वारा तैयार की गई पराली को खेत में ही खाद बना देने की दवा को दिल्ली के सभी किसानों को निशुल्क उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की है जिससे इस वर्ष किसानों द्वारा दिल्ली में पराली नहीं जलाई गई एवं राजधानी में प्रदूषण को नियंत्रित करने में इससे काफी मदद मिली है। दिल्ली के पूसा स्थित कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा तैयार की गई इस दवा को उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब की सरकारों द्वारा भी किसानों को निशुल्क प्रदान करने का प्रयास करना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसके विपरीत दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने दिल्ली सरकार के दावे को गलत करार देते हुए कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा केवल दवा वितरण का प्रचार किया जा रहा है एवं दिल्ली में अधिकांश किसानों को यह दवा उपलब्ध नहीं करवाई गई है। भाजपा का दावा है कि उसकी टीम ने दिल्ली में बड़े पैमाने पर किसानों से बात की जिससे पता चला कि केजरीवाल सरकार द्वारा केवल प्रचार अभियान चलाया जा रहा है जबकि किसानों को पराली न जलाने के कारण खेती करने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा ने दिल्ली सरकार से मांग की है कि वह पराली न जलाने के कारण किसानों को होने वाले नुकसान के लिए मुआवजा प्रदान करे। दिल्ली में प्रदूषण की समस्या की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों को बेहतर तालमेल के साथ काम करने की आवश्यकता है। आवश्यकता इस बात की थी कि पूसा इंस्टीट्यूट द्वारा जो दवा तैयार की गई है उसका व्यापक पैमाने पर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब तथा राजस्थान के किसानों को निशुल्क वितरित किया जाए, जिससे किसानों को धान की फसल काटने के बाद गेहूं की फसल बोने के लिए खेत तैयार करने में किसी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़े। यह ठीक है कि प्रदूषण का सबसे बुरा प्रभाव देश की राजधानी दिल्ली पर पड़ता है क्योंकि यहां जनसंख्या घनत्व इतना ज्यादा है कि यहां प्रदूषण का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। राजधानी में हवा की गति भी काफी धीमी रहती है इसलिए यहां प्रदूषण की मारक क्षमता काफी बढ़ जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में खुला वातावरण होने के कारण प्रदूषण से लोगों को उतनी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ता जितना दिल्ली वालों को झेलना पड़ता है।

एक ओर दिल्ली सरकार किसानों को पराली से मुक्ति दिलाने का प्रयास कर रही है तो दूसरी ओर अन्य राज्य सरकारें किसानों को पराली से मुक्ति पाने का कोई रास्ता बताने की बजाय मजबूरी में पराली जलाने वाले किसानों पर एफआईआर दर्ज कर जुर्माना वसूल रहीं हैं, मुकदमे चला रही हैं। किसानों पर जुर्माना लगाने एवं मुकदमा दर्ज करने के समाचार हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा पंजाब जैसे तीनों ही राज्यों से मिले हैं जिसे पहले ही कर्ज के बोझ से दबे किसानों के साथ सबसे बड़ा अन्याय कहा जा सकता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जो काम पूसा इंस्टीट्यूट द्वारा इस वर्ष किया गया है उसे आज से चार-पांच वर्ष पहले भी किया जा सकता था। दिल्ली में प्रदूषण की गंभीरता पिछले 7-8 वर्षों से बढ़ गई है एवं इससे निपटने के लिए किए गए तमाम प्रयास व्यर्थ सिद्ध हुए हैं। ऑड-इवन नियम लागू करने का भी दिल्ली के प्रदूषण पर कोई खासा प्रभाव नहीं पड़ा था। शायद यही कारण है कि अब दिल्ली सरकार द्वारा भी ऑड-इवन व्यवस्था लागू करने की बात नहीं की जा रही है। तमाम सर्वेक्षणों एवं अध्ययनों से यह तथ्य लगभग प्रमाणित हो चुका है कि दिल्ली में नवंबर-दिसंबर महीने में प्रदूषण की मात्रा बढ़ने में सबसे ज्यादा योगदान किसानों द्वारा पराली जलाने का होता है। यह स्थिति ऐसी है जिसको ज्ञान-विज्ञान का सहारा लेकर नियंत्रित किया जा सकता है। इस वर्ष जो दवा पूसा इंस्टीट्यूट द्वारा तैयार की गई है उसके व्यापक पैमाने पर औद्योगिक उत्पादन की व्यवस्था केंद्र सरकार को अभी से करना चाहिए जिससे कम से कम अगले वर्ष तक सरकार द्वारा तीनों राज्यों को पराली को खेत में ही सड़ाकर खाद बनाने वाली दवा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करवाई जा सके । इस दवा का वितरण सभी राज्य सरकारों को निशुल्क करना चाहिए जिससे किसानों को इसका प्रयोग करने में आर्थिक समस्या का सामना नहीं करना पड़े। यह काम सरकार के लिए बहुत कठिन नहीं है। यदि वह किसानों को प्रत्येक 4 महीने में 2 हजार रुपए नकद प्रदान कर सकती है तो उसके लिए दवा उपलब्ध करवाने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिए। यदि इस दवा के प्रयोग से किसान के खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ जाती है एवं समय से खेती करने में उसे सफलता मिलती है तो किसान स्वयं इस दवा का प्रयोग करना पसंद करेंगे। खेत में पराली जलाने से उसकी उर्वरा शक्ति प्रभावित हो जाती है एवं किसान को अच्छी फसल के लिए उर्वरक की मात्रा बढ़ानी पड़ती है इसलिए किसान स्वयं पराली को जलाने का विकल्प तलाश कर रहा है। सरकारों को पराली जलाने पर किसान के ऊपर मुकदमा चलाने की बजाय पराली से छुटकारा पाने का हल उपलब्ध कराने को प्राथमिकता देनी चाहिए। जो काम दिल्ली के पूसा इंस्टीट्यूट द्वारा किया गया है वही काम देश के अन्य कृषि विज्ञान संस्थानों द्वारा भी किया जा सकता है।

E- Mail : akshaynns@gmail.com

ऑनलाइन प्लेटफार्म पर 13वें ग्लोबल फ़िल्म फेस्टिवल नोएडा का शुभारंभ

नोएडा। अगर दिल में मिलने की इच्छा हो तो पूरी कायनात उसको मिलाने में लग जाती है। हम कोरोना काल से गुजर रहे है इसलिये सब ने एक दूसरे से उचित दूरी तो बना ली है क्योंकि कोरोना को हराना है इसलिए हम दूर सही पर दिल के साथ-साथ डिजिटल या वर्चुअली जुड़े है। 13 वें ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल नोएडा में। यह कहना है एएएफटी यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. संदीप मारवाह का जिन्होंने तीन दिन के ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत की और उनके साथ इस ऑनलाइन सेमिनार में जुड़े किर्गिस्तान के राजदूत एसीन इसाएव, कॉमरोस के कौंसुल जनरल के. एल. गांजु, रशियन सेंटर फॉर साइंस एंड कल्चर मुंबई के डायरेक्टर डॉ. सर्जेई फंडीव, फिल्म मेकर उदय शंकर पानी, फिल्ममेकर लवलीन थडानी, इंडियन चिल्ड्रन फिल्म फोरम की डायरेक्टर माधुरी अडवानी, फिल्म मेकर माइक बैरी और स्क्रिप्ट राइटर राजेश बजाज।

इस अवसर पर एसीन इसाएव ने कहा कि बीते कुछ वर्षो में इंडियन फिल्मों की शूटिंग हमारे देश में ज्यादा होने लगी है जिससे हमारे देश के कलाकार भी बॉलीवुड फिल्मों से जुड़ रहे है। डॉ. सर्जेई फंडीव ने कहा कि रूस में लोग राजकपूर की फिल्में बहुत देखते है। रशियन फिल्म इंडस्ट्री भी बहुत बड़ी है और इंडिया में भी अब हमारे यहाँ की फिल्में देखी जाती है जो दोनों देशो को जोड़ती है। उदय शंकर पानी ने कहा कि सिनेमा सबसे अच्छा माध्यम है किसी भी चीज को लोगो तक पहुँचाने का, सिनेमा देखकर लोग उससे जुड़ते है। फिल्में लोगो को आपस में जोड़ती है जिसमे कोई भाषा या बोली नहीं होती। राजेश बजाज के कहा कि सिनेमा रिफ्लेक्शन है उस सबका जो हमारे अंदर मौजूद है, जो कुछ भी हम फील करते है या सोचते है उसे लिखते है और फिर उसी स्क्रिप्ट को फिल्म के रूप में पर्दे पर देखते है। इस मौके पर माधवी अडवानी ने कहा कि सिनेमा से लोग अपने रोल मॉडल से जुड़ते है और उन्हें फॉलो करते है जिससे वो देशभक्ति, एकता जैसी चीजे आसानी से सीखते है।

मेरी दिल्ली सप्ताहांत
मेरी दिल्ली हाउस, 25/10
ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26
आर.एन.आई. नं. : 49326/89
रजि. नं. : DL(W)05/2065/18-2020
लाइसेंस नं. : U(W)-8/2018-2020
संस्थापक : स्व. नेकी राम गुप्ता
प्रेरणास्त्रोत : स्व. केसर सिंह गुप्ता
संपादक : राजेश गुप्ता
वार्षिक शुल्क
साधारण डाक से : 200 रु.
विज्ञापन व प्रशासन
मो.-8447732401, 9899632000
इंटरनेट सर्विस:www.nnsmediagroup.com
ई-मेल : nnsonline@.nnsonline.com
स्वत्वाधिकारी एन.एन.एस. ऑनलाइन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक राजेश गुप्ता द्वारा 25/10, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली-110026 से प्रकाशित तथा विभा पब्लिकेशन प्रा.लि., डी-160 बी, सेक्टर-7, नोएडा से मुद्रित लिखित अनुमति के बिना सम्पूर्ण या आंशिक पुनर्प्रकाशन पूर्णतः प्रतिबंधित।
नोट : 'मेरी दिल्ली' में प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा।
आवश्यक सलाह : विज्ञापन में किए गए दावों के संबंध में किसी निर्णय से पहले पाठक सभी तथ्यों की समुचित जांच स्वयं कर ले। किसी भी प्रकार के लेन-देन / दावे के लिए समाचारपत्र जिम्मेवार नहीं है। सूचना- वस्तु उपयोग व स्वास्थ्य संबंधी जानकारी की प्रामाणिकता के लिए अपने स्वास्थ्य सलाहकार या डॉक्टर की सलाह पर ही अमल करें। 'मेरी दिल्ली' प्रबंधन इसके लिए उत्तरदायी नहीं है।

खाद्य तेलों की महंगाई से राहत के लिए सरकार ने उठाया कदम

आम उपभोक्ताओं को राहत मिलने पर संशय

नईदिल्ली, 28 नवंबर(एनएनएस)। विभिन्न खाद्य तेलों की थोक एवं खुदरा कीमतों में बीते कुछ समय से रुक-रुक कर तेजी आ रही थी। इस तेजी की वजह से सरकार को खाद्य पदार्थों की महंगाई बढ़ने की चिंता सताने लगी थी। यही वजह है कि चालू सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन सरकार ने पाम तेल के इंपोर्ट टैक्स में 10 प्रतिशत की कटौती करने की घोषणा की। बीते सितंबर महीने के दौरान सरकार ने खाद्य तेल उत्पादन की नीति को संशोधित किया था। इस संशोधन के बाद सरसों तेल के उत्पादन में राइसब्रान ऑयल या इस जैसे अन्य तेलों के मिश्रण की पूर्व में दी गई अनुमति को वापस ले लिया गया था। दूसरे शब्दों में, अब उपभोक्ताओं को सरसों तेल जैसे घरेलू खाद्य तेल शुद्ध रूप में मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया था।

आयात महंगा पड़ने तथा खाद्य तेल उत्पादन की नीति में बदलाव होने और सरसों जैसे प्रमुख रबी तिलहन का उत्पादन कमजोर होने की वजह से बीते कुछ समय से घरेलू बाजारों में सरसों तेल समेत अन्य खाद्य तेलों की खुदरा कीमत लगातार बढ़ती जा रही थी। फिलहाल आम उपभोक्ताओं को एक लीटर सरसों तेल की कीमत क्वालिटी और ब्रांड के आधार पर 120 से 150 रुपए चुकानी पड़ रही है। सरकार द्वारा इंपोर्ट टैक्स में कटौती किए जाने के नवीनतम फैसले से पूर्व तक व्यापारियों और विशेषकों का मानना था कि उपभोक्ताओं को खाद्य तेलों की और ऊंची कीमत चुकाने को भी तैयार रहना चाहिए।

यही वजह है कि सरकार ने क्रूड पाम तेल (सीपीओ) के आयात पर लगने वाले इंपोर्ट टैक्स को 37.50 प्रतिशत के पूर्वस्तर से घटाकर अब 27.50 प्रतिशत कर दिया है। नीति निर्माताओं का मानना है कि सरकार के नवीनतम फैसले से आम उपभोक्ताओं को खाद्य तेलों की लगातार बढ़ती जा रही कीमतों से कुछ राहत मिलेगी और इसकी वजह से मुद्रास्फीति को भी काबू में रखने में मदद मिलेगी। खाद्य तेल उद्योग के जानकारों और विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार की नीति अस्पष्ट बनी हुई है। इसकी वजह से आम उपभोक्ताओं को वांछित राहत मिलने के आसार कमजोर पड़ जाते हैं। उन्होंने इसका खुलासा करते हुए आगे बताया कि सरकार किसानों को उनकी तिलहन फसलों की आकर्षक कीमत दिलाने के लिए खाद्य तेल उत्पादन की नीति में बदलाव कर देती है। इसके बाद जब बाजारों में इन तेलों की कीमत बढ़ने लगती है तो वह आयात को बढ़ावा देने वाले कदम उठा लेती है।

उन्होंने आगे बताया कि बाजारों में ऐसी भी चर्चाएं चल रही हैं कि सरकार आयातित सोयाबीन तेल के इंपोर्ट टैक्स को बढ़ाने जा रही है। यदि वास्तव में ऐसा होता है तो फिर उपभोक्ताओं को खाद्य तेलों की ऊंची कीमत से राहत मिलने के आसार धूमिल पड़ जाएंगे।(31)

धर्मार्थ डायलेसिस केन्द्र का शुभारम्भ

तिलक नगर। मुकन्द लाल कत्याल एस.डी. सेवा भारती डायलेसिस केंद्र अशोक नगर, द्वारा धर्मार्थ डायलेसिस केन्द्र का शुभारम्भ किया गया है। इस डायलेसिस केंद्र में निम्न एवं मध्यम वर्ग के लोगों के लिए केवल 800 रुपए में डायलेसिस किया जा रहा है। यह डायलेसिस केंद्र अशोक नगर, ब्ल्यू लाईन पिलर न. 499 के सामने एवं तिलक नगर मैट्रो स्टेशन के समीप स्थित है।

सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं लेखक सूबे सिंह गुप्ता का निधन

नई दिल्ली। पंचमधाम प्रकाशन ट्रस्ट (रजि.) के चेयरमैन एवं मुख्य संपादक सूबे सिंह गुप्ता का 28 नवम्बर को प्रातः 3.30 बजे निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार पंजाबी बाग़ शमशान घाट में किया गया, जहां बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने उन्हें अंतिम बिदाई दी। वे अपने पीछे पुत्र अनिल कुमार गुप्ता एवं सुनील कुमार गुप्ता का शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं। 'मेरी दिल्ली' परिवार ईश्वर से प्रार्थना करता है कि वे ऐसी पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिवार को इस असह्य दुःख को सहन करने की क्षमता प्रदान करें।

कम समय में कैसे करें 12वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी

नई दिल्ली। कम समय में 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा की तैयारी करने के लिए कृपया अपना समय तालिका बनाएं और उसका पालन करें। इससे आपके समय की बचत होगी। हर घंटे जलपान का समय निकालें जो कि 10 मिनट का होना चाहिए। खाली समय में अपना वक्त जाया न करें और जो पढ़ा है उसे याद करें। ज्यादा तेल-मसाले वाले खाने का सेवन ना करें, इससे दिमाग कमजोर होता है। आप फल और ताजी हरी सब्जी का सेवन करें। पिछले वर्षों के परीक्षा पत्र को ध्यान

दिव्या जैन (शिक्षिका)

में रखते हुए अपनी तैयारी करें। ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं। सुबह जल्दी उठकर पढ़ाई करें और उसकी नोट्स बनाते रहें। मूल विषयों को गम्भीरता से पढ़ें। परीक्षा पत्रों को बार-बार लिखित में अभ्यास करें। मोबाइल फोन और अन्य चीजों का उपयोग कम करें। उदाहरणों के सहारे अधिकतर पढ़ाई करें। पढ़ाई करते वक्त अपना पूरा ध्यान पढ़ाई पर लगाएं। रोज सुबह या शाम को व्यायाम करें, इससे आपका मन सक्रिय रहता है। 6 से 8 घंटे की नींद लेनी जरूरी है, इससे आपका दिमाग सक्रिय रहता है और आप पढ़ाई पर अच्छे से ध्यान दे पाते हैं।

A COURIER with CARE a name of Trust
AGC
Akash Ganga®
Courier Limited
MORE THAN 3000 DESTINATION
Regd. Off. :
Opp. Railway Station, Loonkaransar, Distt. Bikaner (Raj.)
Corporate Office
1310-11-12, D.B. Gupta Road (Naiwala), Karol Bagh, New Delhi-05
Ph. : 011-28752881
E-mail : delhi@akashganga.info, Website : www.akashganga.info

ललित एण्ड पार्टी
★ भगवती जागरण
★ चौकी
★ भजन संध्या
★ लेडीज़ संगीत
★ संगीत कार्यक्रम

दूरभाष : 9899193399, 25218278, 25216338
304, पॉकेट-1, पश्चिम पुरी, शक्ति मार्किट रोड़, नई दिल्ली-63
MDW/04

हमारा स्वास्थ्य

हरी-सब्जियां हैं गुणकारी

हरी सब्जियों से हमें शरीर के लिए आवश्यक वे सभी तत्व मिल जाते हैं, जो हमारे शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति प्रदान करते हैं। इसके नियमित सेवन से पाचनतंत्र में सुधार, लावण्य में वृद्धि और हमारे शरीर को पौष्टिकता भी प्राप्त होती है। जिसका असर आपके चेहरे और शरीर पर आसानी से देखा जा सकता है। हरी सब्जियों के लाभ।

E गोभी, आलू, बीन्स आदि शरीर के विविध भागों, तत्वों, मात्राओं को प्रभावित करते हैं।

E अदरक, धनिया, पुदीना, हरीमिर्च सब्जियों के तत्वों एवं स्वाद को बढ़ाने में मदद करते हैं।

E लहसुन खून का थक्का जमने नहीं देती अत: हृदय रोग में लाभकारी है।

E करेला पेट के कृमि नष्ट करता है और रक्त शोधन कर, अग्नाशय को सक्रिय करता है।

E टमाटर शरीर में रक्त की मात्रा बढ़ाता है और त्वचा निखारता है।

E नीबू शरीर के पाचक रसों को बढ़ाता है।

E पालक हड्डियों को कैल्शियम से सुदृढ़ करता है।

E भिंडी वीर्य में गाढ़ापन लाती है और शुक्राणु बढ़ाती है।

E लौकी शीघ्र पाचक, रक्तवर्द्धक है। यह शीतलता प्रदान करती है।

E खीरा रक्त कणों का शोधन कर शरीर में रक्त का प्रवाह बढ़ाती है।

E परवल शरीर को ऊर्जा देता है।

हल्दी

यह केवल एक मसाला नहीं बल्कि स्वास्थ्य के लिहाज से गुणकारी दवा भी है। सब्जी, दाल हो या फिर कोई और नमकीन व्यंजन। यहां तक कि कई मिठाइयों में भी हल्दी का प्रयोग किया जाता है। हल्दी लजीज व्यंजनों का स्वाद तो बढ़ाती ही है त्वचा, शरीर और पेट संबंधी कई रोगों में भी काम आती है।

हल्दी पौधे की जड़ से मिलने वाली गाठें ही नहीं, इसके पत्ते भी उपयोगी होते हैं। गुणकारी हल्दी के अलग-अलग लाभ उठाने के लिए आपको किसी वैद्य या विशेषज्ञ की शरण में जाने की जरूरत नहीं है। अपने घर पर ही छोटे-छोटे प्रयोग कर इसके अलग-अलग लाभ उठाए जा सकते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है। खून साफ करती है।

गुड़

गुड़ का सेवन अधिकांश लोग ठंड में ही करते हैं वह भी थोड़ी मात्रा में इस सोच के साथ कि ज्यादा खाने से नुकसान होता है। इसकी प्रवृत्ति गर्म होती है, लेकिन ये एक गलतफहमी है। गुड़ हर मौसम में खाया जा सकता है और पुराना गुड़ हमेशा औषधि के रूप में काम करता है। आयुर्वेद संहिता के अनुसार यह शीघ्र पचने वाला, खून बढ़ाने वाला व भूख बढ़ाने वाला होता है। इसके अतिरिक्त गुड़ से बनी चीजों के खाने से बीमारियों में राहत मिलती है। गुड़ में मध्यम मात्रा में कैल्शियम, फास्फोरस व जस्ता पाया जाता है। यही कारण है कि इसका रोजाना सेवन करने वालों का इम्युनिटी पावर बढ़ता है। गुड़ में मैग्नीशियम अधिक मात्रा में पाया जाता है। इसलिए ये बॉडी को रिचार्ज करता है साथ ही इसे खाने से थकान भी दूर होती है। गुड़ और काले तिल के लड्डू खाने से सर्दी में अस्थमा परेशान नहीं करता है। रोजाना गुड़ का सेवन हाई ब्लडप्रेशर को कंट्रोल करता है। जिन लोगों को खून की कमी हो उन्हें रोज थोड़ी मात्रा में गुड़ जरूरी खाना चाहिए। इससे शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ता है। अगर आप गैस या एसिडिटी से परेशान हैं तो खाने के बाद थोड़ा गुड़ जरूर खाएं करने से ये दोनों ही समस्याएं नहीं होती है।

जानें घर के सामान कैसे कर सकते हैं बीमार

घर के हर कोने को साफ करना बहुत कठिन काम है लेकिन इन छोटी-छोटी जगहों को सप्ताह में एक बार भी अगर स्राई कीजिए तो कुछ हद तक छोटी-छोटी बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। फर्श को साफ करने के लिए अच्छे क्लीनर का प्रयोग करें। दीवारों पर सजावटी चीजें टंगी हैं तो वह ईको फ्रेंडली ही हों और सफाई करते वक्त उनको हटाकर सब जगह को साफ कीजिए।

घर में मौजूद फर्नीचर में कीटाणुओं के पनपने की ज्यादा संभावना होती है। क्योंकि फर्नीचर की अच्छे तरीके से सफाई करने के बावजूद भी आप उनके अदंरूनी कोनों तक नही पहुंच पाते हैं जिसके कारण कई प्रकार के हानिकारक कीटाणु उनमें पनपते हैं और बीमारी फैलाते हैं। इसलिए जितना संभव हो फर्नीचर के कोनों की सफाई करें।

कारपेट, दरी-चटाई और पायदानों की प्रतिदिन सफाई बेहद जरूरी है। इनमें फंगस जल्दी फैल जाते हैं जिसके कारण इनसे बदबू भी आने लगती है। घर के पायदान, खासतौर पर बाथरूम के बाहर रखे पायदान को हते में एक बार अवश्य धुलें। कारपेट को फंगस से बचाने के लिए गर्म पानी में सिरका डालकर उसे साफ कीजिए। पायदान और चटाई को धुलने के बाद अच्छे से सुखा लीजिए।

बच्चे खिलौने से जरूर खेलेंगे, कई बार तो बच्चे इन खिलौनों को मुंह में भी डाल लेते हैं। इनमें कई प्रकार के छोटे-छोटे कीटाणु होते हैं जिससे बच्चों को इन्फेक्शन हो सकता है। इसलिए घर में मौजूद खिलौनों और टेडी की सफाई अवश्य कर लीजिए। प्लास्टिक खिलौनों को एंटीसेप्टिक के घोल से साफ कीजिए।

आंख के रोग के घरेलू उपाय

आंख दर्द करना

नारियल की गिरी में पिसी चीनी मिलाकर खाने से आंख दु:खना दूर हो जाती है।

आंख की लालिमा

गाय के दूध में रूई भिगोकर उस पर फिटकरी का चूर्ण छिड़ककर आंखों पर बांधने से आंखें अच्छी होती हैं और उनकी लालिमा खत्म हो जाती है।

आंख आने पर

आंखें आ गयी (आंखों में कीचड़ होकर चिपकना) हो तो रात को पानी में भिगोकर रखा हुआ गुड़ सुबह कपड़े से छ: बार छानकर पीने से आंख आना ठीक हो जाती है।

मोतियाबिंद हो जाना

सौंफ और धनिया को समान मात्रा में लेकर उसमें भूरी शक्कर मिलाइए। इसको 10-10 ग्राम की मात्रा में सुबह शाम सेवन करें।

Q गाजर, पालक और आंवले का रस सेवन करने से मोतियाबंद बढ़ता नहीं और दो-तीन महीने में ही कटकर साफ हो जाता है।

Q 6 बादाम की गिरी, 7 कालीमिर्च को पीसकर पानी मिलाकर छलनी से छान लें। उसमें मिश्री मिलाकर पीने से लाभ होता है।

Q बड़ के दूध में कपूर को घोलकर आंख में आंजने से आंख की फुली (फुल्ला) कट जाती है।

आंखों के नीचे का कालापन

Q खीरे के टुकड़े काटकर आंखों पर रखने से आंखों में तरावट मिलती है और आंखों के नीचे का कालापन दूर होता है।

Q हल्दी एवं मलाई को अच्छी तरह फेंटकर (मथकर) रात के लगाकर सुबह गर्म पानी से धोने से थोड़े ही दिनों में कालापन हटकर रूप निखरता है।

स्तनपान से बच्चे को मिलता है गुड बैक्टीरिया

मां का दूध नवजात के लिए अमृत समान माना जाता है। अब वैज्ञानिकों ने इसके एक और लाभ का पता लगाया है। वैज्ञानिकों का ,इस शोध में यह बताया गया है कि मां के दूध में मौजूद अच्छा बैक्टीरिया बच्चे की पाचन शक्ति को ऐसा बना देता है कि बाद में उसे फॉर्मूला मिल्क और आहार पचाने में आसानी होती है कि मां का दूध बच्चे के पेट में जरूरी पोषण तो पहुंचाता ही है साथ ही यह उसे आंतों को भी अच्छी तरह से काम करने में सहायता प्रदान करता है। हालांकि शोधकर्ताओं में अभी तक इस बात को लेकर संशय है कि आखिर यह बैक्टीरिया मां के पेट से उसके दूध तक कैसे पहुंचता है। लेकिन इस बैक्टीरिया की उपयोगिता को लेकर वे काफी उत्साहित हैं।

कहना है कि मां के दूध में बच्चे के लिए बेहद जरूरी (अच्छे) बैक्टीरिया मौजूद होता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह बैक्टीरिया बच्चे की पाचन-क्रिया को दुरुस्त रखता है। इस शोध में कहा गया है कि बच्चों की पेट और प्रतिरोधक क्षमता के लिए मां का दूध बहुत फायदेमंद होता है।

आदतें जो बन रही हैं युवाओं में हार्टअटैक का कारण

युवाओं मे हार्ट अटैक के मामलों में बढ़ोत्तरी हुई है। कोलेस्ट्रॉल, तनाव, मोटापा आदि बीमारियां भी आपके दिल की धड़कनों को रोक सकती है। अपनी आदतों को सुधारे और रखें दिल का ख्याल। स्मोकिंग और अल्कोहल युवाओं मे कोलेस्ट्रॉल के खतरनाक लेवल तक पहुंचने की सबसे बड़ी वजह है। केवल स्मोकिंग की वजह से ही 22 पर्सेंट कॉर्डियोवस्कुलर बीमारियां होती हैं और इसके अलावे कैंसर और क्रॉनिक रेसप्रेटरी डिजीज का खतरा अलग से रहता है।

शराब दिल की मांसपेशियों को स्थायी रूप से निहायत कमजोर कर देती है। ओवर वेट और मोटे लोगों में हार्ट डिजीज का ज्यादा खतरा रहता है। इसकी कई वजहें हैं जिसमें फैट, सॉल्ट और शुगर का बढ़ता चलन लोगों को बीमारी दे रहा है। यही नहीं, इनकी लाइफ स्टाइल भी इस बीमारी की मुख्य वजह बन रहा है।

युवाओं को जीवनशैली में सुधार लाना जरूरी है। रोज का अत्यधिक तनाव ब्लड प्रेशर को बढ़ाता तो है ही, साथ ही यह हृदय की पेशियों को भी प्रभावित करता है। ये उन लोगों में ज्यादा है जो काफी महत्वाकांक्षी हैं। एक-दूसरों से आगे बढ़ने की होड़ में लगातार प्रयासरत रहते हैं। आपका छोटा सा दिल इना बोझ नहीं उठा सकता तो खुद के दिमाग को शांति दे।

मांस और डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे मक्खन, चीज में वसा अधिक पाई जाती है, साथ ही पकाए गए बिस्कुट या केक में भी यह अधिक होता है। इनसे शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा में तेजी से इजाफा हो जाता है। शरीर में सोडियम की मात्रा सही अनुपात में बनाए रखने के लिए भोजन में नमक की कुछ मात्रा होनी जरूरी है, पर ज्यादा नमक हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग का कारण भी बन सकता है।

मुलेठी

[kkah % खांसी की समस्या होने पर मुलेठी को काली-मिर्च के साथ खाने से कफ में आराम मिलता है। इससे सूखी खांसी के साथ-साथ गले की सूजन ठीक होती है।

eg¡ lw[kuk %अगर आपका बार-बार मुंह सूख जाता है तो मुलेठी बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। इसमें पानी की मात्रा 50 प्रतिशत तक होती है। मुंह सूखने पर बार-बार इसे चूसें।

xys dh [kjk'k %गले में खराश के लिए भी मुलेठी का प्रयोग किया जाता है। इसको चूसने से गले की खराश ठीक होती है।

कान-नाक के रोगों के घरेलू उपचार

नाक के रोग

नकसीर फटना (नाक से खून गिरना) गर्मी के दिनों में अक्सर नाक से खून गिरते हुए हम देखते हैं। इसे ही नक्सीर कहते हैं। थोड़ी सी गर्मी पहुंचने या नाक में उंगली डालते ही नाक से खून निकलने लगता है, जो कभी-कभी बहुत ज्यादा बहने लगता है।

D नाक से खून निकलने पर सामान्य घरेलू उपचार माथे पर ठंडा पानी डालते जाएं तब तक जब तक कि खून बंद न हो जाए। थोड़ी ही देर में खून बहना बंद हो जाएगा।

D नाक में गाय का घी टपकाने से भी नकसीर बंद होती है।

D आम के पेड़ पर फल आने से पहले जो बौर आता है उसे पीसकर सूंघने से भी नकसीर बंद होती है।

D यदि किसी नकसीर बार-बार फटती या चलती है, उन्हें प्राय: 'विटामिन सी' की कमी हरती है। अत: ऐसे लोगों को रसदार मीठे अनार, आम, अंगूर का सेवन करना चाहिए।

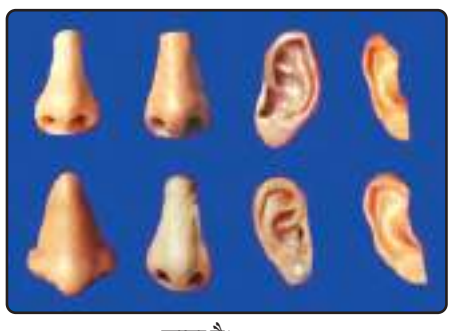

D कपूर को गुलाब जल में पीसकर नाक में टपकाने से और माथे पर मालिश करने से नकसीर बंद होती है।

कान के रोग (कान की पीप)

कान में से पीले रंग का एक मवाद निकलता है। उसे कान की पीप या कान बहना कहते हैं। जिसमें बदबू सी आती है। कभी-कभी तो उसमें कीड़े भी पड़ जाते हैं।

D हल्दी और तवे पर भूनी हुई फिटकरी का चूर्ण बनाकर उसे कान में डालने से कान बहना बंद होता है।

D गाय का दूध लेकर उसमें मेथी का हल्का गरम तेल मिलाकर डालना चाहिए। मेथी को तले में औटाकर मेथी का तेल बनाया जाता है।

कान दर्द

अचानक ही कान में रुक-रुक कर पीड़ा उत्पन्न होती है। जिसके कारण व्यक्ति बैचेन हो उठता है।

D अदरक का रस गुनगुना करके कान में डालने से कान दर्द में आराम मिलता है।

D एक चम्मच तिल के तेल में लहसुन की आधी कली डालकर गुनगुना गर्म करके दर्द वाले कान में 4-4 बूंदे टपकाकर दूसरी करवट दस मिनट लेटने से कान दर्द बंद होता है।

D सरसों का तेल गुनगुना करके कान में ठंडा होने पर सुहाता-सुहाता डालने पर कान का दर्द चला जाता है।

जीवनशक्ति में बाधा बनती है अनिद्रा

कारण

मानसिक तनाव, असंतोष, काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि मानसिक विकारों का ताण्डव अनिद्रा का मुख्य कारण है।

O शोरगुल का वातारवरण भी अनिद्रा का कारण है। इससे मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव पड़ता है। आई हुई नींद भी गायब हो जाती है।

O मादक पदार्थों का सेवन, धूम्रपान की अधिकता, चाय-कॉफी, पान आदि की आदत तथा अन्य विष-जन्य विजातीय-द्रव्य भी अनिद्रा के कारण है।

O खांसी, दमा, दन्तपीड़ा, हृदय की धड़कन अपच, गठिया आदि रोग क्षणिक अनिद्रा पैदा करते हैं।

O पाचन-यन्त्र के विकार के कारण पेट में अनेक प्रकार के रोग हो जाते हैं और अन्त में वे सब अनिद्रा के कारण बनते हैं।

O जो लोग मांस आदि को बिना चबाये ही जल्दी-जल्दी निगल लेते हैं, वे अनिद्रा रोग के शिकार हो जाते हैं।

O जो लोग रात्रि में कारखानों में कार्य करते हैं, वे भी इस रोग से पीड़ित रहते हैं।

अनिद्रा के उपचार

शारीरिक श्रम-व्यायाम शारीरिक परिश्रम, स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, जीवन के लिए भी आवश्यक है। व्यायाम के द्वारा शरीर में ऐसी मीठी हल्की सी थकान आती है कि नींद शीघ्र ही आ जाती है। तेजी से घूमना, तैरना, खेलना आदि से शरीर में फुर्ती आती है। भूख अच्छी लगती है। मानसिक विकार दूर होते हैं।

O नीले रंग का ध्यान लगाने से भी अच्छी नींद आती है।

O नीले परदे तथा बल्ब-सोने के कमरे में आसमानी रंग के पर्दे तथा बल्ब होने चाहिए। हरी-भरी सीनरियां होनी चाहिएं।

O नींद के लिए मन का प्रफुल्लित रहना अत्यन्त आवश्यक है। सोने से कम से कम एक-डेढ़ घंटा पहले भोजन करना चाहिए। वज्रासन तथा श्वासन करना चाहिए। बाईं करवट लेटना चाहिए। प्रसन्न मन से शैया पर जाना चाहिए।

सोने का कमरा

सोने के कमरे की ओर विशेष ध्यान होना चाहिए। कमरा खुला तथा हवादार होना चाहिए। उसमें नमी तथा अंधेरा नहीं होना चाहिए। दरवाजे तथा खिड़कियां खुली रहनी चाहिए। कमरे में कुछ संगीत आदि की भी व्यवस्था होनी चाहिए। कमरे में टिक-टिक करने वाली घड़ी लगी होनी चाहिए। इससे ध्यान टिक-टिक शब्द की ओर केन्द्रत रहेगा और नींद अच्छी आएगी। पूर्व अथवा पश्चिम की ओर सिर करके सोने से भी अच्छी नींद आती है। सोने के कमरे में अधिक सामान नहीं होना चाहिए। तख्त या चारपाई पर एक पतला गद्दा बिछाकर सोना चाहिए। सोते समय मेरूदण्ड सीधा रखना चाहिए। मुंह ढककर नहीं सोना चाहिए।

छुवारे

Mkbt Sku %छुवारे में डाइटरी फाइबर होते है, जिनसे डाइजेशन ठीक रहता है। रोज दूध में छुवारे डालकर खाने से फर्क

महसूस होता है।

dCt %छुवारे में पेटोशियम होता है। इसे दूध में डालकर खाने से कब्ज, पेट दर्द और डायरी जैसी प्रॉबल्म ठीक होती है।

dksyks d¶j %छुवारे में मौजूद फाइबर कोलोन को साफ रखते है, जिससे कोलोन का कैंसर होने का खतरा कम होता है।

gfM;ksa et cwr %छुआरे में सेलेनियम, कैल्शियम, मैग्नीज, कॉपर, मिनरल्स होते है। इसे दूध में डाल कर रोजाना पीने से हड्डियां मजबूत होती है।

nkarksa dh lM+u %इसमें मौजूद फलोरॉइड मिनरल दांतों को सड़ने से रोकता है और उनको मजबूत बनाता है।

otu c<+k,a %इनमें शुगर और कार्ब्स, प्रोटीन और मिनरल्स की ज्यादा मात्रा होती है, जो वजन बढ़ाने में मदद करते है।

gkVZ çkWCye %छुवारे में पोटेशियम होता है, जो कोलेस्ट्रॉल को करता है और हार्ट डिजीज का खतरा कम करता है।

पत्थर की सिला के लाभ

पत्थर की सिला जिसे हम सिल बट्टा भी कहते हैं। प्राचीन काल से आयुर्वेद में इसका प्रयोग किया जाता रहा है। हमारे पूर्वजों नें मसाले और चटनी बनाने के लिए सिल बट्टे का प्रयोग किया करते थे। जिसके फायदे शरीर को निरोगी रखने के लिए उपयोगी रहे हैं।

S सिल बट्टा पत्थर का बना होता है इसलिए इसमें खनिजों कि मात्रा अधिक होती है। इसलिए इसमें पिसी हुई चटनी या मसाले आपको कई तरह की बीमारियों से बचाते हैं। पत्थरों से मिलने वाला खनिज सीधे शरीर तक पहुंचता है जिससे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। और शरीर को कोई बीमारी नहीं लगती है।

S मोटापा कम करने में सिल बट्टा एक उपयोगी मशीन की तरह भी काम करती है। सिल बट्टे का प्रयोग करते समय एक तरह का व्यायाम भी होता है जो सीधे पेट की चर्बी को कम करता है।

S सिल बट्टा का प्रयोग करने से मिक्सर चलाने में इस्तेमाल की जाने वाली बिजली का खर्च भी नहीं होता है।

S जो महिलाएं किचन में सिल बट्टे का इस्तेमाल करती हैं उनकी कभी सिजेरियन डिलीवरी नहीं होती हैं क्योंकि सिल बट्टे के इस्तेमाल से यूटरेस का व्यायाम भी होता रहता है।

S सिल बट्टे में पिसी हुई चटनी बेहद स्वाद और लजीज होती है। यह प्राकृतिक स्वाद के साथ शरीर को शक्ति भी देती है।

कपूर के बेमिसाल फायदे

कपूर का प्रयोग हर घर में पूजा-पाठ के लिये किया जाता है। कपूर या फिर कपूर का तेल बालों तथा त्वचा के रोगों के लिये काफी अच्छा माना जाता है। यह जले कटे निशान को भी ठीक करता है। आयुर्वेद में भी कपूर के तेल का प्रयोग काफी ज्यादा किया जाता है। कपूर घर में आसानी से पाया जाता है इसलिये आप इसे आराम से प्रयोग कर सकती हैं। पुरानी जोड़ों और दर्द से छुटकारा दिलाने के लिए कपूर उपयोगी औषधि है।

मुंहासे रोके एक्ने, पिंपल और फिर उनके दाग, काफी आम सी समस्या है। कपूर का तेल चेहरे पर लगाने से मुंहासों में कमी आती है तथा उनके दाग भी धीरे धीरे कम होने लगते हैं। इसके अलावा कपूर हर तरह के त्वचा रोग को ठीक करने में भी मदद करता है। घाव और जलन के निशान मिटाए अगर हाथा आग से जल गया है या फिर उस पर खरोच आदि आ गई है तो भी कपूर सहायक है। थोड़ा सा कपूर थोड़े से पानी में मिला कर प्रभावित स्थान पर लगा लें। ऐसा कुछ दिनों के लिये करें और देखें कि दाग कैसे गायब हो जाता है।

फटी एड़ियों के लिये कपूर फटी एडियों की दरार को मुलायम बना कर उन्हें भर देता है। गरम पानी में थोड़ा सा कपूर डाल कर, उसमें पैर भिगोने के बाद स्क्रब करें और ऐसा ही कुछ दिनों तक करें। इसके बाद एडियों पर अच्छी क्रीम लगा लें।

बालों को झड़ने से रोके कपूर के तेल से नियमित रूप से सिर की मसाज करने से बालों का झड़ना रूक जाता है।

घरेलू नुस्खा

प्याज के नियमित सेवन से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में रहता है। इसमें क्योरसेटिन होता है। यह एक ऐसा ऑक्सीडेंट लेवेनॉल है, जो दिल को बीमारियों से बचाता है। दो बड़े चम्मच मूली के रस में शहद मिलाकर बराबर मात्रा में पानी के साथ पिएं। ऐसा करने से पेट की चर्बी कम होकर मोटापा कम होने लगेगा। गाजर में मौजूद प्रोटीन ब्लड प्रेशर को नॉर्मल रखने में कारगर होता है। तुलसी के पत्ते पीसकर रस निकालें इसके सेवन से उल्टी बंद होती है और पेट के कृमि भी मर जाते हैं।

पायरिया

दांतों की साफ सफाई में कमी होने से जो बीमारी सबसे जल्दी होती है वो है पायरिया। सांसों की बदबू, मसूड़ों में खून और दूसरी तरह की कई परेशानियां। जाड़े के मौसम में पायरिया की वजह से ठंडा पानी पीना मुहाल हो जाता है। पानी ही क्यों कभी-कभी तो हवा भी दांतों में सिहरन पैदा कर देती है। पायरिया के बारे में एक गलत धारणा ये है कि इसका इलाज मुमकिन नहीं जबकि हकीकत ये है कि इसका इलाज मुमकिन है नीम के पत्ते साफ कर के छाया में सुखा लें। अच्छी तरह सूख जाएं तब एक बर्तन में रखकर जला दें और बर्तन को तुरंत ढंक दें। पत्ते जलकर काले हो जाएंगे और इसकी राख काली होगी। इसे पीसकर कपड़ छन कर लें। जितनी राख हो, उतनी मात्रा में सेंधा नमक पीसकर शीशी में भर लें। इस चूर्ण से तीन-चार बार मंजन कर कुल्ले कर लें। भोजन के बाद दांतों की ठीक से सफाई कर लें। यह नुस्खा अत्यंत गुणकारी है।

W कच्चे अमरूद पर थोड़ा सा नमक लगाकर खाने से भी पायरिया के उपचार में सहायता मिलती है, क्योंकि यह विटामिन सी का उम्दा स्रोत होता है जो दाँतों के लिए लाभकारी सिद्ध होता है।

W घी में कपूर मिलाकर दांतों पर मलने से भी पायरिया मिटाने में सहायता मिलती है।

W आंवला जलाकर सरसों के तेल में मिलाएं, इसे मसूड़ों पर धीरे-धीरे मलें।

W खस, इलायची और लौंग का तेल मिलाकर मसूड़ों में लगाएं।

W जीरा, सेंधा नमक, हरड़, दालचीनी को समान मात्र में लें, इसे तवे पर जलाकर पीस लें, इस मंजन का नियमित प्रयोग करें।

W बादाम के छिलके तथा फिटकरी को भूनकर फिर इनको पीसकर एक साथ मिलाकर एक शीशी में भर दीजिए। इस मंजन को दांतों पर रोजाना मलने से पायरिया रोग जल्दी ही ठीक हो जाता है।

शेविंग के बाद होने वाली समस्याओं से यूं पा सकते हैं छुटकारा

क्या आप भी शेविंग के बाद होने वाली समस्याओं से जूझ रहे हैं? जैसे दर्दनाक कट लगना, त्वचा का जलना, रैशेज पड़ना या फिर एक्ने? अगर हां, तो आपको सुरक्षित शेव करने के कुछ टिप्स को फॉलो करना चाहिए। जानिए, कुछ आसान तरीकों से शेव के बाद स्किन को कैसे हेल्दी बनाएं

¡ स्किन इंफेक्शन से बचने के लिए रेजर चैक करें। ध्यान रखें वो गंदा ना हो और ब्लेड बहुत ज्यादा इस्तेमाल ना हुआ हो। समय-समय पर ब्लेड बदलते रहें ताकि त्वचा को कोई संक्रमण ना हो सके।

¡ शेविंग करने से पहले दाढ़ी को हल्के गुनगुने पानी से गीला कर लें।

¡ शेविंग जल्दबाजी में ना करें और रेजर के लंबे स्ट्रोक ना लें। इससे त्वचा में जलन और कटने की आशंका बढ़ जाती है।

¡ एक ही जगह पर दो बार शेव करने की आदत को बदल लें। त्वचा पर शेव के दौरान कम से कम दबाव डालें।

¡ शेविंग के बाद ठंडे पानी से चेहरा अच्छे से धोएं। साथ ही आटरशेव बाम या मॉश्चराइजर लगाएं। इससे त्वचा कोमल भी होगी।

¡ शेविंग क्रीम ऐलोविरा या विटामिन ई से युक्त होनी चाहिए। हमेशा क्रीम नरम लें जिससे रैशेज पड़ने या त्वचा में जलन कम हो।

दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामले : सरकार करे सख्ती, जनता बरते सावधानी

दिल्ली में कोरोना का कहर थम नहीं रहा है। तमाम सरकारी प्रतिबंधों एवं उपायों के बावजूद कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ता ही जा रहा है। हालात ऐसे हो गए हैं कि लोग फिर से लॉकडाउन लगाए जाने के कयास लगाने लगे है। ऐसे में हमने समाज के कुछ प्रबुद्ध लोगों से कोरोना संक्रमण की रोकथाम के तौर-तरीके, कोरोना मरीजों को अस्पतालों में मिलने वाली सुविधाओं एवं देश में कोरोना वैक्सीन की उपलब्धता के पश्चात उसके वितरण में बरती जाने वाली प्राथमिकताओं के संबंध में बातचीत की। प्रस्तुत है प्रमुख अंश–

कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए बाजारों पर नियंत्रण बेहद जरुरी : महेंद्र गुप्ता

लिपिका होम प्रोडक्ट्स के चेयरमैन महेंद्र गुप्ता ने कहा कि कोरोना के बढ़ते मामलों की रोकथाम के लिए सरकार तो पूरी तरह से हरसंभव प्रयास कर रही है, लेकिन पिछले दिनों जिस तरह से बाजारों को खुला छोड़ दिया गया, यह एक बहुत बड़ी भूल रही है। बाजारों में कोरोना नियंत्रण में खामी को छोड़कर पूरा सिस्टम दुरुस्त है। केवल दिक्कत बाजारों से ही आ रही है। अब जितने लोग आईसीयू बेड और वेंटिलेटर पर चले गए, ऐसे में आने वाले कुछ दिनों तक मौत के आकड़े 100 के करीब ही रहने वाले हैं। इसलिए इसका सिर्फ और सिर्फ यही समाधान है कि बाजारों को नियंत्रित किया जाए। चाहे इसके लिए बैरिकेटिंग करनी पड़े या दुकानदारों पर पाबंदी हो कि वे बिना मास्क ग्राहक को सामान न दें। इस समय दिल्ली में अफरातफरी का माहौल है। जो पैसे वाले हैं उन्हें थोड़ी सी भी दिक्कत होती है तो वह आईसीयू बेड और वेंटिलेटर लेकर बड़े से बड़े हॉस्पिटल में एडमिट हो जाता है, चाहे उसको इसकी जरुरत हो या न हो। ऐसे में जिस मरीज को वास्तव में आईसीयू और वेंटिलेटर की जरुरत है उसे नहीं मिल पाती। केजरीवाल सरकार कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए पूरी तरह से समर्पित है। केजरीवाल जी, सत्येंद्र जैन सहित उनकी पूरी टीम जी-जान से जुटी हुई है और इसमें केंद्र सरकार का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है लेकिन लोग ही जब साथ नहीं देंगे तो स्थिति और भयावह होती चली जाएगी। मेरे हिसाब से कोरोना वैक्सीन अभी एक मार्केटिंग का खेल है। पिछले दिनों बाहर के एक व्यक्ति ने घोषणा कर दी कि कोरोना की वैक्सीन आ गई है। इससे उसकी कंपनी के शेयर के भाव बढ़ गए। बाद में वह अपने शेयर बेचकर निकल लिया। अभी यह सिर्फ मार्केटिंग का खेल हो रहा है। अभी अलग-अलग तरह की कई वैक्सीनों की बात चल रही है और उसके अलग-अलग टेम्प्रेचर पर स्टोरेज का प्रावधान है। हमारे देश में अभी तक स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर भी डेवलप नहीं हो पाया है। ऐसे में मेरा मानना है कि जब भी वैक्सीन आए वह सबसे पहले हेल्थ वर्कर्स को मिले क्योंकि आखिर आगे वही तो हमारी जान बचाएंगे।

कोरोना संक्रमण के खात्मे में बेहद प्रभावी है 'कोरोना किलर मशीन' : लायन सत्यनारायण गोयल

कृति स्पेशल स्कूल के चेयरमैन, सुविख्यात समाजसेवी एवं व्यवसायी लायन सत्यनारायण गोयल ने कहा कि कोरोना की रोकथाम के लिए सरकार की तरफ से पूरी कोशिश की जा रही है तथा आगे और भी कोशिश करनी होगी, लेकिन इसमें आमजन को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। हम सभी संक्रमण के प्रति जागरूक होंगे और इससे बचाव के दिशा-निर्देशों का पूरी तरह से पालन करेंगे तभी इससे निजात मिल सकती है। वैसे आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दिल्ली के अंदर हमारी एक ऐसी मशीन आ चुकी है जो कोरोना के वायरस को हवा में ही ख़त्म कर देती है। पुणे की कंपनी इंडोटेक इंडस्ट्रियल सॉल्यूशन लिमिटेड द्वारा निर्मित यह 'कोरोना किलर मशीन' आईसीएमआर एवं चिकित्सा शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रमाणित है। एक्सल वेव्स लैब्स प्रा.लिमिटेड के डायरेक्टर श्रेय गोयल के कुशल नेतृत्व में दिल्ली एवं हरियाणा में इसका वितरण किया जा रहा है। इस 'कोरोना किलर मशीन' के प्रसार के लिए राज्य स्तर पर भी लगातार प्रयास हो रहा है। हम मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी से भी मिलने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि दिल्ली के जो 70 कोविड सेंटर हैं वहां पर यह मशीन लगायी जा सके। वहां पर 'कोरोना किलर मशीन' लग जाने से काफी राहत मिलेगी। प्राइवेट अस्पतालों से भी इस मशीन को लगाने के लिए हमारी टीम की बातचीत चल रही है। यह मशीन जहां स्थापित की जाती है वहां की हवा वह अंदर खींचती है और परिवर्तित हवा को पॉजिटिव और नेगेटिव आयंस के मिश्रण में रूपांतरित करती है। बिजली से चलने वाला यह डिवाइस प्लग एण्ड प्ले डिवाइस है, जिसे किसी भी रसायन की आवश्यकता नहीं होती है। इस मशीन से न सिर्फ कोरोना वायरस बल्कि अन्य संक्रामक रोगों से भी मुक्ति मिल सकेगी। दिवाली के बाद कोरोना के मामलों में तेजी आई है क्योंकि इस दौरान कुछ लोगों ने काफी लापरवाही बरती है, जिसके चलते स्थिति भयावह हो गई है। हमें संक्रमण के प्रति कोई भी ढिलाई नहीं बरतनी चाहिए। जहां तक अस्पतालों में कोरोना मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की बात है तो मैं महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल पंजाबी बाग एवं श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पिटल से जुड़ा हुआ हूं। इन अस्पतालों में करीब-करीब 200-200 बेड की व्यवस्था की गई है। जहां पर कोरोना मरीजों को बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। अधिकांश मरीज पूरी तरह से ठीक होकर अपने घर जा रहे हैं। अगर हम कोरोना वैक्सीन के वितरण में प्राथमिकता की बात करें तो फिलहाल अभी इतनी जल्दी वैक्सीन आने वाली नहीं है। हमारे यहां अभी उसके भंडारण की भी उचित व्यवस्था नहीं है। वैक्सीन आने पर भी इतनी बड़ी आबादी वाले देश में सबको उपलब्ध करा पाना एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में यह वैक्सीन पहले उन्हें मिलनी चाहिए, जिसको इसकी अत्यधिक जरुरत है यानि जो बीमार हैं।

कोरोना को लेकर न तो सरकार ही गंभीर है और न ही जनता : डॉ. राजीव गुप्ता (सीए)

गोल्डन बेल्स एवं दी इंडियन पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर डॉ. राजीव गुप्ता (सीए) का कहना है कि सरकार कोरोना की रोकथाम के लिए बिल्कुल भी गंभीर नहीं है, वह सिर्फ दिखावे एवं लोगों को बरगलाने का काम कर रही है। ऐसे में लोगों को ही कोरोना से बचाव के लिए जागरूक होना होगा। कोरोना को हराने के लिए सरकार की कोई स्पष्ट नीति नहीं है, उसके दिशा-निर्देशों में भी स्पष्ठता नहीं है। कभी बाजार बंद कर दिए जाते हैं, तो कभी खोल दिए जाते हैं। कभी शादी-ब्याह में मेहमानों की संख्या में छूट दी जाती है तो कभी संख्या सीमित कर दी जाती है। सरकार बस अपने फायदे के लिए लोगों को बरगला रही है। जहां कहीं चुनाव होता है, नेताओं की रैलियां होती हैं या कोई जनसभा होता है जिसमें हजारों-लाखों लोग शामिल होते हैं वहां कोरोना नहीं फैलता, जबकि शादी-ब्याह आदि में शामिल मेहमानों से कोरोना तेजी से फैलता है। मतलब जहां सरकार (पार्टी) का फायदा है, वहां कोरोना का कोई नियम लागू नहीं होता जबकि जहां जनता का सरोकार है वहां तमाम नियम-कानून थोप दिए जाते हैं। चाहे केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार इन्हें आम जनता की कोई चिंता नहीं है। ऐसे में जनता को खुद अपना ख्याल रखना होगा। सरकार की क्या कहें आम जनता भी बिल्कुल बेपरवाह हो चुकी है। लोग बाजारों में इधर-उधर घूमते रहते हैं। तमाम लोगों को तो मास्क लगाने तक का ख्याल नहीं हैं। ऐसे लोग खुद तो बीमार होते ही हैं, और भी बहुत सारे लोगों को बीमार कर देते हैं। हम सब को यह भलीभांति समझना होगा कि हम हैं तभी सब कुछ है। हमें कोरोना से बचाव के नियमों में कोई ढिलाई नहीं बरतनी चाहिए। अब सरकार की तरफ से कहा जा रहा है कि जब तक कोरोना की वैक्सीन नहीं आ जाती तब तक स्कूल नहीं खुलेंगे। पहले कहा गया कि 15 अगस्त तक वैक्सीन आ जाएगी, फिर कहा गया कि दो महीने बाद आएगी और अब पीएम मोदी जी कह रहे हैं कि वैक्सीन कब आएगी मुझे नहीं पता, यह मेरे हांथ में नहीं है, यह तो साइंटिस्ट ही बता सकते हैं। यह तो सभी को पता है कि वैक्सीन साइंटिस्ट ही लाएंगे, फिर आखिर इतने दिनों तक जनता से झूठ क्यों बोला जा रहा था, उसे मूर्ख क्यों बनाया जा रहा था। वास्तव में सरकार की कोरोना को हराने की कोई नीति ही नहीं है। जब और जहां उसे जरुरत होती है जनता को बेवकूफ बनाकर आगे निकल जाती है। हॉस्पिटल में मरीज बेहाल हुए है, वहां का बहुत बुरा हाल है। मैं खुद अभी 10 दिन हॉस्पिटल में रह कर आया हूं। मेरी जान-पहचान थी तो बेड मिल गया, वरना बेड मिलना भी मुश्किल है। सरकार की तरफ से कोई भी ऐसा सिस्टम डेवलप नहीं किया गया है जिससे लोगों को मालूम चल सके कि उसके नजदीक के किस हॉस्पिटल में बेड खाली है। ऐसे में लोग एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल में भटकने को मजबूर हैं। लोग कोरोना से मर रहे हैं पर बता भी नहीं रहे है क्योंकि उन्हें लगता है कि बता दिया तो घर से निकलना मुश्किल हो जायेगा। ऐसे में वे दूसरों की जिंदगी भी खतरे में डाल रहे हैं। इस तरह से किसी को भी कोई फिक्र नहीं है, वे इसे बड़े हल्के में ले रहे हैं। न तो सरकार ही गंभीर है और न ही जनता। ऐसे में नतीजा हम सबके सामने है। अभी वैक्सीन कब आएगी कुछ पता नहीं है लेकिन बिहार चुनाव में लोगों को फ्री वैक्सीन का वादा भी कर दिया गया है। मुझे लगता है कि वैक्सीन जब भी आएगी उसका वितरण सरकार के स्तर पर नहीं बल्कि पार्टी के स्तर पर होगा। ऐसे में भाजपा से जुड़े लोगों को ही वैक्सीन मिल पायेगी।

भीड़भाड़ वाले बाजारों को नियंत्रित करने की ठोस योजना बनाए सरकार : ज्ञान अग्रवाल

श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पिटल रोहिणी के चेयरमैन, सुविख्यात समाजसेवी एवं व्यवसायी ज्ञान अग्रवाल ने कहा कि कोरोना के बढ़ते मामलों की रोकथाम के लिए सरकार को चाहिए कि वह भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की निगरानी करे और उसे नियंत्रित करने के उपाय करे। स्थिति को देखते हुए वह रात 9 बजे से सुबह 6 बजे तक नाईट कर्फ्यू भी लगा सकती है। ज्यादातर लोग शनिवार एवं रविवार को ही बाजारों में जुटते हैं, ऐसे में सरकार चाहे तो शनिवार एवं रविवार को भीड़भाड़ वाले बाजारों को बंद कर सकती है। शादियों में मेहमानों की संख्या सीमित कर सरकार ने अच्छा काम किया। सरकार ऐसे कई और भी उपाय कर सकती है, लेकिन दिक्कत तो यही है कि दिल्ली सरकार कुछ खास करने के मूड में नहीं दिख रही है। सुप्रीम कोर्ट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी बैठक में दिल्ली सरकार की खूब खिंचाई की। केजरीवाल जी विज्ञापन देने में ही लगे हुए हैं। यह तो जो सड़कों पर चालान आदि कट रहे हैं, यह बस पैसे इकठ्ठा करने का जरिया है। वास्तव में इससे कुछ होने-जाने वाला नहीं है। दूसरी बात, मेरा अभी तक हॉस्पिटल का जो अनुभव रहा है, उसके आधार पर कह रहा हूं कि कोरोना होने पर बिल्कुल भी न घबराएं और धैर्य से काम लें। जिसको भी कोविड-19 होता है वह कोरंटाइन हो, सही तरह से दवाएं ले और पांचवे दिन सिटी स्कैन जरूर करवाएं, ताकि पता चल सके कि वायरस कितना फैल चुका है। जिससे आगे उसी आधार पर दवाएं दी जा सके। कोरोना के केस में 6 से 11 वां दिन काफी महत्वपूर्ण होता है। इसलिए इसमें लापरवाही न बरते और सही तरीके से ईलाज करवाएं और दवाएं लें। अभी आईसीयू के मामले इसलिए बढ़ रहे हैं क्योंकि 8वें-9वें दिन ऑक्सीजन का लेवल कम होता है, तब लोग मरीज को लेकर भागते हैं। इसलिए 5 वें दिन सिटी स्कैन जरूर करवाएं। इससे समय रहते संक्रमण का स्तर पता चल जाता है और उस आधार पर उचित दवाएं देकर स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सकता है। जहां तक हमारे श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पिटल की बात है वहां पर कोरोना मरीजों को बेहतर सुविधाएं दी जा रही है। यहां कोरोना मरीजों को विश्वस्तरीय चिकित्सकीय सुविधाएं दी जा रही हैं और उनके लिए स्पेशल डाइट की व्यवस्था की गई है। मुझे खुशी है कि हमारा हॉस्पिटल दिल्ली सरकार की सूची में टॉप थ्री में शामिल है, जहां मृत्युदर काफी कम है। जहां तक कोरोना वैक्सीन के वितरण का सवाल है तो मेरा यही मानना है कि यह संक्रमित लोगों को ही मिले। अस्पतालों को यह वैक्सीन दिया जाना चाहिए जहां निर्धारित शुल्क पर यह कोरोना मरीजों को दी जा सके।

सरकार एवं जनता दोनों को दिखानी होगी गंभीरता : अमित शोरेवाला

सिविल लाइन्स निवासी युवा व्यवसायी अमित शोरेवाला ने कहा कि दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामलों के रोकथाम के लिए सरकार एवं जनता दोनों को गंभीरता दिखानी होगी। कोरोना की रोकथाम के लिए सरकार अपने स्तर पर लगातार प्रयास कर रही है। लेकिन उसका रवैया अभी भी काफी लचर नजर आती है। उसे अभी कई और अहम कदम उठाने होंगे और जहां जरुरत हो सख्ती भी दिखानी होगी। आम जनता को भी अपना लापरवाही वाला रवैया बदलना पड़ेगा। अब भी तमाम लोग इसे गंभीरता से नहीं ले रहे। वे बाजारों में इधर-उधर घूमते रहते है। तमाम लोग तो मास्क पहनना भी उचित नहीं समझते। जो न सिर्फ उनके बल्कि परिवार के अन्य सदस्यों के लिए भी घातक है। सावधानी ही कोरोना से बचाव है। इसलिए हमें कोरोना के दिशा-निर्देशों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए। बार-बार हांथ धोने, घर से बाहर निकलने पर मास्क लगाने एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने से हम कोरोना के संक्रमण से बचे रह सकते हैं। अस्पतालों में इस समय अव्यवस्था का आलम है। उनमें बेड की भी दिक्कत है। ऐसे में लोगों को कोरोना के ईलाज के लिए भटकना पड़ रहा है। मेरे पिताजी स्व. श्री सुभाष शोरेवाला जी को लेकर हम जब अस्पताल गए थे तो उस समय डॉक्टरों को भी कोरोना के संबंध में उतनी जानकारी नहीं थी, जितनी आज है। आज डॉक्टर बेहतर उपचार कर रहे हैं। देश में अभी से कोरोना वैक्सीन के वितरण में प्राथमिकता की बात की जा रही है। जबकि मुझे लगता है यह वैक्सीन आम जनता को वर्ष 2021 या 2022 में ही मिल पाएगी। सबसे पहले तो सरकार एवं उससे जुड़े लोगों को ही यह वैक्सीन मिलेगी। जबकि होना तो यह चाहिए कि कोरोना वैक्सीन सबसे पहले डॉक्टर एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों तथा कोरोना से अपनी जान गंवा चुके लोगों के परिजनों को मिलनी चाहिए।

सरकार बरते और भी सख्ती, जनता भी दे साथ : के.एल. गर्ग

श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पिटल, रोहिणी के महामंत्री एवं सुविख्यात समाजसेवी के.एल. गर्ग ने कहा कि कोरोना की रोकथाम के लिए दिल्ली सरकार की ओर से पूरी कोशिश की जा रही है लेकिन फिर भी यह दिनोदिन और भी विकराल होती जा रही है। ऐसे में सरकार द्वारा थोड़ी और भी पाबंदियां लगायी जानी चाहिए। जिससे लोग बेवजह इधर-उधर न घूमें और बाजारों में भीड़ इकठ्ठा न हो सके। जनता को भी यह भलीभांति समझना चाहिए कि कोरोना की बीमारी भयावह रूप धारण करती जा रही है। इसलिए सावधानी बरतें और कोरोना से बचाव के दिशा-निर्देशों का पूरी तरह से पालन करें। कम से कम सोशल गेट-टू-गेदर करें और सोशल डिस्टेंसिंग का बखूबी पालन करें। बार-बार हाथों को धोएं और घर से बाहर निकलने पर मास्क जरूर लगाएं। जहां तक मेरी जानकारी है इस समय अस्पतालों का हाल-बेहाल है। सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं का अभाव है और मरीजों की देखभाल सही तरीके से नहीं हो पा रही है। वहीं प्राइवेट अस्पतालों में केयर तो है लेकिन एक तो बहुत ज्यादा पेमेंट करनी पड़ रही है, दूसरे बेड भी उपलब्ध नहीं हो पा रहे है। बेड की बहुत ज्यादा किल्लत है इसलिए जनता को बहुत ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। जहां तक कोरोना वैक्सीन के वितरण में प्राथमिकता की बात है तो मेरा मानना है कि सबसे पहले यह वरिष्ठ नागरिकों एवं कोरोना वारियर्स को दी जानी चाहिए। फिर उसके बाद ही यह अन्य वर्गों एवं आम जनता को मिले। बुजुर्ग हमारे देश की बहुत बड़ी धरोहर हैं। उनका सम्मान बहुत जरुरी है, उनकी जान बचानी बहुत जरुरी है। जैसा कि देखा गया है कि इस बीमारी से अधिकतर प्रभावित बुजुर्ग ही हैं। उनकी मृत्युदर काफी ज्यादा है। इसलिए प्राथमिकता हमेशा बुजुर्गों को ही देनी चाहिए। इसके साथ-साथ कोरोना वारियर्स को भी यह वैक्सीन देना आवश्यक है, ताकि वे हमारी जान बचा सकें।

लोगों की जागरूकता से ही कोरोना संक्रमण पर रोकथाम संभव : श्रीमती मीना गुप्ता

महिला मंडल पंजाबीबाग की संस्थापक अध्यक्षा एवं सुप्रसिद्ध समाजसेविका श्रीमती मीना गुप्ता ने कहा कि कोरोना पर नियंत्रण के लिए सरकार तो कदम उठा ही रही है, आमजन को भी इसके प्रति जागरूक होना पड़ेगा। सभी लोगों को कोरोना के नियमों का पूरी तरह से पालन करना होगा, तभी इस पर नियंत्रण संभव है। आएदिन शादी-ब्याह के आयोजनों में तमाम लोग बिना मास्क के ही दिखाई देते हैं। काफी लोग ऐसे भी होते हैं जो मास्क तो लगाए रहते हैं लेकिन वह उनकी नाक के नीचे रहता है। लगता है सरकार इनके सामने कैमरे लगवाए तभी ये मास्क पहनेंगे। ऐसे लापरवाह लोगों के चलते भीड़भाड़ वाली जगहों पर व्यापक पैमाने पर संक्रमण फैलने की आशंका रहती है। सरकार को भी मास्क न पहनने पर जुर्माना बढ़ाने की बजाय स्वयं एवं सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से जगह-जगह मास्क की व्यवस्था करनी चाहिए। ताकि जिनके पास मास्क नहीं है, ऐसे लोगों को मास्क उपलब्ध हो सके। हम सभी को यह भलीभांति समझना होगा कि सावधानी ही कोरोना से बचाव है। अगर किसी को कोरोना हो गया तो न सिर्फ उसके, बल्कि पूरे परिवार के लिए खतरा है। इसलिए हमें सरकार की ओर से जारी कोरोना दिशा-निर्देशों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए। सोशल डिस्टेंसिंग, हांथों को बार-बार धोना, घर से बाहर निकलने पर मास्क जरूर पहनना आदि हमारी आदत में शुमार होना चाहिए। जहां तक हो सके हमें भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचना चाहिए। कोरोना मरीजों के इलाज के लिए तमाम अस्पतालों में व्यवस्था ठीक नहीं है। अगर आपकी जान-पहचान है तो कुछ गनीमत है अन्यथा आपकी दुर्गति ही है। अभी अपने देश में कोरोना वैक्सीन आई नहीं है और इसके आने में अभी काफी समय है। मेरा मानना है कि वैक्सीन आने पर सबसे पहले कोरोना वारियर्स को मिले उसके बाद यह आम जनता को उपलब्ध हो।

कोरोना की खबरों से भय का माहौल ऐसी खबरों पर लगे रोक : मंजू सिंघल

अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन की चेयरपर्सन मंजू सिंघल ने बताया कि जिस तरह मीडिया में आएदिन कोरोना के चलते हो रही मौतों की संख्या एवं बढ़ते मामले दिखाए जा रहे है उससे स्थिति अत्यंत पैनिक बनती जा रही है। यदि हम वाकई में चाहते है कि इसके रोकथाम के लिए कदम उठाने है तो हमे सबसे पहले ऐसी खबरों पर रोक लगानी होगी जिसे देखकर और भी ज्यादा डर का माहौल न बने। अब कोरोना वायरस को लगभग एक साल हो गया है और सभी लोग ये बात भलीभांति समझ गए है कि मास्क और सोशल डिस्टैन्सिंग से तो इससे बचा जा ही सकता है, लेकिन इसकी रोकथाम के लिए मीडिया द्वारा दिखाई जा रही खबरों पर भी रोक लगाना बेहद जरुरी है क्यूंकि अब हल्के से जुखाम को भी हम कोरोना से जोड़ने लगे है और जिन लोगो को अभी तक कोरोना नहीं हुआ है वह व्यक्ति भी खुद को हमेशा संदेह की दृष्टि से देखता रहता है। मेरा मानना है कि अस्पताल में जाने से बेहतर है कि घर में ही इस बीमारी को दूर भगाये क्यूंकि अस्पताल में जो दवाइया और इंजेक्शन दिए जा रहे है उनके साइड इफ़ेक्ट भी बहुत से है। इसलिए घर पर रहकर ही कम दवाइयों एवं फोन पर डॉक्टर से सलाह लेकर इसका इलाज करे। मेरे हिसाब से सबसे पहले वैक्सीन डॉक्टर, नर्स, हॉस्पिटल में काम कर रहे सभी कर्मचारियों, आर्मी के जवानो और पुलिस वालो को दी जानी चाहिए क्यूंकि ये सभी निस्वार्थ भावना से काम कर रहे है। ये सभी उस समय अपनी एवं अपने परिवार वालो की जान की बाजी लगाकर काम रहे थे जब लॉकडाउन के समय हम सब अपने और अपने परिवार की रक्षा के लिए भगवान से गुहार लगा रहे थे।

कोरोना से बचाव के लिए खुद भी सख्ती बरतनी जरुरी : सतीश अग्रवाल

श्री वैष्णो सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान सतीश अग्रवाल ने कहा कि कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करने के साथ-साथ खुद को भी सख्ती बरतनी होगी क्यूंकि ये ऐसी बीमारी है जो पता नहीं कब, कहां से आपको लग जाए। मास्क पहनना और सोशल डिस्टैन्सिंग जितनी जरुरी है उतना ही आवश्यक साबुन से अच्छे से हाथ धोना भी है। जहां तक मेरी जानकारी है अस्पतालों के हालात दिन-ब-दिन बिगड़ते ही जा रहे है। जब कोरोना वायरस की शुरुआत हुई थी उस समय भी हॉस्पिटल जाते समय मरीज घबराता था और अब भी डरता ही है, क्यूंकि चाहे सरकारी अस्पताल हो या फिर प्राइवेट इलाज के नाम पर बस खानापूर्ति की जा रही है। सरकारी अस्पतालों में कोई सुध-बुध लेने वाला नहीं है तो प्राइवेट में पैकेज बना दिए है और उस पैकेज के हिसाब से भी मरीजों को कोई सुविधा नहीं दी जा रही है। इसलिए बेहतर यही होगा कि घर पर खुद को कोरंटाईन कर इससे बचा जा सकता है। जहां तक कोरोना वैक्सीन के वितरण में प्राथमिकता की बात है मेरे हिसाब से कोरोना की वैक्सीन सबसे पहले कोरोना के मरीजों, संक्रमित लोगो के संपर्क में आये लोगो को एवं उसके बाद सभी को मिलनी चाहिए।

सिर्फ सरकार के भरोसे न रहें, अपनी सुरक्षा अपने हांथ : रविंद्र गुप्ता

रविंद्र गुप्ता (एसएलएम मसाले) ने कहा कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए सिर्फ सरकार के ही भरोसे नहीं रहा जा सकता। राज्य सरकार काम कम दिखावा ज्यादा कर रही है। मास्क न लगाने पर जुर्माना बढ़ाकर दो हजार रुपए कर दिया गया। हालांकि इस सख्ती से कुछ फर्क तो जरूर पड़ा है, लेकिन इससे बेवजह शोषण एवं अवैध वसूली बढ़ गई है। फिलहाल सरकार जो सही समझ रही है और उससे जो बन पड़ रहा है कर रही है, लेकिन आमजन को भी कोरोना संक्रमण के प्रति जागरूक होना पड़ेगा। अपनी सुरक्षा अपने हांथ है। हम सभी को संक्रमण से बचाव के लिए जारी दिशा-निर्देशों का पूरी तरह से पालन करना होगा, तभी हम इससे सुरक्षित रह सकते हैं। केजरीवाल जी वैसे तो फंड न होने का रोना रोते रहते हैं, लेकिन जनता के टैक्स के करोड़ों रुपए वे अपने विज्ञापन पर फूंक रहे हैं। उन्होंने जगह-जगह अपने होर्डिंग-बैनर लगवाए हैं, रेड लाइट पर तख्ती लेकर वालंटियर्स खड़े किए हैं। अगर इसी पैसे से गरीबों को मुफ्त में मास्क ही बांट दिए होते तो जनता का काफी भला होता। केजरीवाल जी को यह भलीभांति समझना होगा कि सिर्फ फोटो लगाने से नहीं बल्कि काम करके ही जनता के दिलों में उतरा जा सकता है। आज अगर किसी को कोरोना हो जाए तो वह प्राइवेट हॉस्पिटल में ही जाना चाहता है। पैसे के अभाव में यदि सरकारी अस्पताल में जाना पड़ जाए तो वहां उसकी दुर्गति ही है। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में अव्यवस्था का आलम है। यहां तक कि कई-कई दिनों तक बेड के चद्दर तक नहीं बदले जाते। जबकि कोरोना के केस में साफ-सफाई बेहद जरुरी है। रही बात कोरोना वैक्सीन की तो मेरा मानना है कि सबसे पहले वरिष्ठ नागरिकों को यह वैक्सीन मिलनी चाहिए। मैं हरियाणा, यूपी, पंजाब आदि के तमाम ग्रामीण क्षेत्रों में आता-जाता रहता हूं। गांव के लोगों में मुझे संक्रमण का कोई खास प्रसार देखने को नहीं मिला। प्रदूषण आदि वजहों से ज्यादातर शहरी लोग ही इसकी चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में वरिष्ठ नागरिकों के अलावा शहरी क्षेत्र के लोगों को पहले कोरोना वैक्सीन मिलनी चाहिए।

कोरोना के नियमों का करें पूरी तरह से पालन : नरेंद्र बिंदल

पूर्व निगम पार्षद नरेंद्र बिंदल ने कहा कि कोरोना के बढ़ते मामलों की रोकथाम के लिए जनता को सरकार की तरफ से जारी दिशा-निर्देशों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए। लोग सावधानी रखें, मास्क पहनें, बार-बार अपने हांथों को धोएं एवं दो गज की दूरी बनाए रखें तभी कोरोना के संक्रमण से बचे रह सकते हैं। सरकारी अस्पतालों में ईलाज की व्यवस्था ठीक नहीं है, लोग काफी दुखी है। प्राइवेट अस्पतालों में बेड ही खाली नहीं हैं, वहीं सरकारी अस्पतालों में बेड तो है लेकिन वहां सुविधाएं ठीक नहीं हैं। इसलिए तमाम लोग सरकारी अस्पतालों में जाना ही नहीं चाह रहे हैं। ऐसे में वे इस बीमारी को छुपाकर घर पर ही अपना इलाज कर रहे हैं। हालांकि अभी कोरोना की वैक्सीन नहीं आई है लेकिन लोग इसके वितरण में किसे प्राथमिकता मिले, इस पर चर्चा करने लगे हैं। मेरे हिसाब से सब लोगों को वैक्सीन देने की जरुरत नहीं है। जैसे-जैसे लोग टेस्ट करवा रहे हैं और कोरोना पॉजिटिव पाए जा रहे है, उन्हें ही वैक्सीन देने की जरुरत है। वैसे भी अगर चेक किया जाए तो अपने देश में करीब 60 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पायी जाएगी। तमाम लोग ऐसे हैं जिन्हे कोरोना हुआ और ठीक भी हो गए लेकिन उन्हें मालूम ही नहीं चला। बहुत से लोगों ने घर पर ही इलाज कर-करके, काढ़ा आदि पीकर एंटीबॉडी डेवलप कर ली है। ऐसे में कोरोना की वैक्सीन उन्हें ही दी जानी चाहिए जिन्हे उसकी वास्तविक जरुरत है, जो बीमार हैं। उसके बाद वरिष्ठ नागरिकों, कोरोना वारियर्स एवं आमजन को मिले।

कोरोना नियमों के साथ ही खानपान पर भी ध्यान देना जरुरी : डॉ. हरजिंदर

मनोचिकित्सक डॉ. हरजिंदर ने बताया कि कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए मास्क और सोशल डिस्टैन्सिंग जितना जरुरी है उतना ही जरुरी खान-पान पर भी ध्यान देना है। क्यूंकि अगर हमारी शारीरिक क्षमता मजबूत रहेगी तो हम किसी भी प्रकार के रोग से लड़ने के काबिल रहेंगे। हॉस्पिटल से ठीक होकर आने वाले मरीजों की भी मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जहां कुछ मरीजों का कहना है कि अस्पताल में डॉक्टर बेहतर उपचार दे रहे हैं तो वही दूसरी ओर कुछ मरीज ऐसा भी कह रहे है कि हॉस्पिटल से अच्छा घर ही रहते। डॉ. हरजिंदर का मानना है कि जिनको वैक्सीन की सबसे ज्यादा जरुरत है सबसे पहले उन्ही को दी जानी चाहिए, चाहे वह फिर वीआईपी हो या आमजन। जिन्दगी तो हर किसी को प्यारी है।

घर पर ही हो सकता है हॉस्पिटल से बेहतर इलाज : मीनू बंसल

खुशी एक एहसास क्लब की प्रधान मीनू बंसल ने बताया कि कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए सबसे पहले हमे खुद ही सतर्क होना पड़ेगा। जैसे कि हम डॉक्टर से सुनते आ रहे है कि वायरस थूक के कण से बढ़ रहा है तो बेहतर यही है कि जैसे ही पता चले कि हम कोरोना वायरस के शिकार हो गए है तो हमे खुद ही कोरंटाइन हो जाना चाहिए। मेरे विचार से हॉस्पिटल से बेहतर इलाज घर पर ही हो सकता है, इसलिए हॉस्पिटल तभी जाएं जब वहां जाने की ज्यादा ही जरुरत लगे। मेरे हिसाब से कोरोना कि वैक्सीन सबसे पहले डॉक्टर्स के अलावा बुजुर्ग, छोटे बच्चों एवं जिनको सांस लेने में तकलीफ है उनको मिलनी चाहिए क्यूंकि सबसे ज्यादा यही जूझ रहे है।

कोरोना योद्धा की कलम से

अस्पताल में पहुंच गया हूं कोरोना चक्र में फस जाने से
हुआ अचानक प्रहार निमोनिया
भागे बच्चे लेकर अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पिटल
मैनेजमेंट ने दिखाया कॉपरेशन
कुलदीप जी की कुशल व्यवस्था
सुरेंद्र जी की देखभाल
डॉ. अनुराग गर्ग एवं सुबोध कंसल का सफल परीक्षण
कुशल नर्सिंग, कुशल प्रशासन
खाना-पीना और व्यवस्था
मिला है सब कुछ उत्तम-उत्तम
अस्पताल की सभी व्यवस्था को मेरा कोटि-कोटि नमन
घनश्याम जी का सफल प्रयास
अस्पताल भव्य-विशाल
डॉक्टर, नर्सिंग सभी कमाल
आओ मिलाऊं यहां के माहौल से...
मिले कुछ दोस्त यहां भी
काट रहे हैं दिन-रात मजे में
सहयोग पत्नी का मुझको मिल रहा
वह भी मेरे साथ आ गई
मेरी मुश्किल आसान कर रही

आओ हंसाओ कुछ माहौल से
अपने कुछ काल्पनिक मखौल से
अभी नर्स है कभी डॉक्टर
नर्स-नर्स या कभी डॉक्टर
मैं सोच रहा हूं यह अस्पताल है
या नर्सपताल है
नर्स एक से एक अनोखी
किसी किसी की ऐसी बोली
जैसे कोयल कुकु रही हो
या मिश्री घुल-घुल जाती हो
मंद समीर के झोंकों से कली फूल खिल जाती हो...
और डॉक्टर कुछ तन के कोमल
मन से कोमल
सुई लगाते धीमे-धीमे
जैसे कोमल सीख से कोई शीतल मेहंदी रचा रहा हो
और दूसरे जैसे कोई भैंसा आया हो
और बाहों में बुरी तरह से सींग मार कर चला गया हो...
अस्पताल से जाते जाते मेरा जी भर आता है
लगता है इन सब से मेरा पिछले जन्मों का नाता है...
इंजेक्शन के खोल है बोले पुन: लौट कर कब आओगे
मौसमी के छिलके बोले हमको आकर कब खाओगे...

रचयिता– पुष्पेंद्र गोयल

महंत हरबंस सिंह जी सेवापंथी | संत अमृतपाल सिंह जी सेवापंथी | सुखबीर सिंह बादल | मनजिंदर सिंह सिरसा | हरमीत सिंह कालका | कुलवंत सिंह वाठ | परमजीत सिंह सरना | हरबिन्दर सिंह सरना | मनजीत सिंह जी.के. | कुलदीप सिंह चानना | डॉ. एच.बी.एस. लाम्बा | हरकवर पाल सिंह लाम्बा

गुरिन्दर पाल सिंह राजू | कुलदीप सिंह लायलपुरी | गुरविन्दर सिंह सभरवाल | अवतार सिंह सेठी | बी. एस. बिन्द्रा | प्रीतपाल सिंह सलूजा | इन्द्रजीत सिंह | जगजीत सिंह | पतवंत सिंह | हरजीत सिंह सयाल | चतर सिंह ठुकराल | हरजिंदर सिंह

सुरेन्द्र सिंह | कवलजीत सिंह | भूपिंदर सिंह | हरविंदर सिंह आनंद | परविंदर सिंह नारंग | नरिन्दर सिंह | गुलशन सिंह जुनेजा | मोहिन्दर सिंह अनेजा | गुनकीरत सिंह अनेजा | दमनदीप सिंह अनेजा | आया सिंह वधावन | रवि वधावन

गुरमीत सिंह टोनी | स. जागीर सिंह | मनजीत सिंह सचदेवा | जसबीर सिंह सचदेवा | सतबीर सिंह सचदेवा | सतबिन्दर सिंह मदान | मनमोहन सिंह | राजविन्दर सिंह | परमीत सिंह | प्रहलाद सिंह रहेजा | डॉ. इन्द्रप्रीत सिंह | अवतार सिंह बग्गा

राजिन्दर सिंह 'बिल्ला' | सुरिन्दर पाल सिंह 'राजू' | जसजीत सिंह | हरप्रीत सिंह हैरी | मलकीत सिंह पाहवा | गुरमीत सिंह | आई. पी. सिंह | अमृत पाल सिंह | सतबीर सिंह | जसविन्द्र सिंह | दलजीत सिंह पुरी | प्रीतपाल सिंह कालरा

गुरुपर्व पर इस बार नहीं निकाला जाएगा नगर कीर्तन,

एतिहासिक गुरुद्वारों में आयोजित होंगे कीर्तन समागम- जतिंद्रपाल सिंह गोल्डी

कोविड के चलते एहतियात के तौर पर कमेटी और सिंह सभाओं ने नगर कीर्तन न निकालने का निर्णय लिया है

जतिंद्रपाल सिंह गोल्डी

गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व 30 नवंबर को मनाया जाएगा, लेकिन इस बार आयोजन का स्वरूप बदला जा रहा है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधान कमेटी में धार्म प्रचार के चेयरमेन श्री जतिंद्रपाल सिंह गोल्डी ने बताया कि कोविड महामारी के चलते आयोजन में इस बार कुछ प्रमुख बदलाव किए गए हैं। कमेटी और सिंह सभाओं ने बैठक कर तय किया है कि इस बार नगर कीर्तन नहीं निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कोरोना की स्थिति को देखते हुए यह कफी जरूरी भी था। हालांकि गुरुपर्व के मौके पर सभी एतिहासिक गुरुद्वारों में कीर्तन-कथा पूर्व की तरह आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस समय महामारी का दौर चल रहा है कि ऐसे में हम सभी की जिम्मेदारी है कि संक्रमण को फैलने से रोकने में अपना सहयोग दें। कमेटी अपने जिम्मेदारियों को बखूबी समझती है इसीलिए इस बार नगर कीर्तन नहीं निकालने का निर्णय लिया गया है। स. गोल्डी ने बताया कि बेशक नगर कीर्तन नहीं निकाला जाएगा, लेकिन 30 नवंबर को बंगला साहब गुरुद्वारा में भव्य कथा-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। यह बहुत ही खास होने वाला है। इसके लिए दिल्ली से बाहर के रागियों को भी बुलाया गया है। सुबह 5 बजे से रात 12 बजे तक कथा-कीर्तन का कार्यक्रम चलता रहेगा। सिंह साहब ज्ञानी राणजीति सिंह गौहर ए मस्कीन जी जत्थेदार तखत श्री पटना साहब कथा करेंगे। जबकि कीर्तन के लिए भाई रविंद्र सिंह जी दरबार साहब, भाई हरजौत सिंह जख्मी जालंधार, भाई चमनजीत सिंह जी दिल्ली वाले, भाई अरशदीप सिंह जी लुधियाना के जत्थों की तरु से कीर्तन किया जाएगा। कथा-कीर्तन का सीधा प्रसारण अनेका चौनल, वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर भी किया जाएगा।

स. गोल्डी ने कहा कि बंगला साहब के अलावा अन्य एतिहासिक गुरुद्वारों में भी कथा-कीर्तन का आयोजन सुबह से लेकर रात 12 बजे तक किया जाएगा। इस दौरान कोविड नियमों का पूरी तरह से पालन करना सुनिश्चित किया गया है। गुरुद्वारों में सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल रखा जाएगा। निगरानी के लिए सेवादार तैनात रहेंगे। साथ ही सभी गुरुद्वारों में सैनिटाइजर की पर्याप्त व्यवस्था भी कर दी गई है। सभी को कोविड दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी गई है। साथ ही लोगों से भी अपील की जा रही है वह अभी अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए नियमों का पालन करें। स. गोल्डी पे दिल्ली की सभी सिंह सभाओं को भी बेनती की है वह भी अपने-अपने इलाके के गुरुद्वारा साहिब में करवाये जाने वाले समागमों में सोशल डिस्टैसिंग और अन्य जरूरी सुविधाओं का खास ध्यान रखें।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी द्वारा गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को समर्पित सिख साहित्य एवं चित्र प्रदर्शनी शुरु

प्रदर्शनी का मकसद लोगों को गुरु साहिब के मानवतावादी संदेश से परिचित करवाना : सिरसा, कालका

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधाक कमेटी द्वारा गुरुद्वारा बंगला साहिब में आज गुरु नानक देव जी के 551वें प्रकाश पर्व को समर्पित सिख साहित्य व चित्र प्रदर्शनी शुरु की गई जिसका उद्घाटन कमेटी के अध्यक्ष स. मनजिंदर सिंह सिरसा ने किया। इस मौके पर कमेटी के महासचिव व शिरोमणि अकाली दल दिल्ली इकाई के अधयक्ष स. हरमीत सिंह कालका व अन्य संगतें भी मौजूद थीं।

इस मौके पर स. सिरसा ने बताया कि यह प्रर्दशनी 7 दिसंबर तक चलेगी। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी हर वर्ष लगाई जाती है। दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी का मकसद पहली पातशाही गुरु नानक देव जी के गुरूपर्व से पहले पूरी मानवता को गुरु साहिब की मानवतावादी विचारधारा और दर्शन से परिचित करवाना है। उन्होंने कहा कि प्रर्दशन की एक विशेषता यह है कि इसमें जितने भी चित्र शामिल किए गए हैं वह सभी हाथ से बनाए चित्र हैं। उन्होंने कहा कि इसके इलावा कोरोना महामारी के समय भी गुरुद्वारा बंगला साहिब में विशेष कीर्तन दरबार सजाये जा रहे हैं।

स. सिरसा ने संगतों को अपील कर कहा कि स्वंय भी आएं व अपने बच्चों को यहां ला कर प्रदर्शनी दिखाएं तांकि उन्हें सिख इतिहास से परिचित करवाया जा सके। उन्होंने आज भगत नामदेव जी के 750वें प्रकाश पर्व की बधाई भी दी और बताया कि आज भी गुरुद्वारा बंगला साहिब में इस महान दिवस पर कीर्तन दरबार करवाया जा रहा हैं

इस मौके पर अन्यों के इलावा कमेटी की धार्म प्रचार के मुखी जतिंद्रपाल सिंह गोल्डी, सदस्य परमजीत सिंह चंडोक भी मौजूद रहे। कमेटी द्वारा पंथ के लिए सेवाएं देने वाले सेवादारों व लांगरियों का सम्मान भी किया गया।

श्रीमद भागवत कथा एवं ज्ञान यज्ञ का आयोजन

मथुरा। भागवत कथा समिति, माधोनगर जट्टारी द्वारा डॉ. तोमर वाली गली, माधोनगर में 27 नवम्बर से 3 दिसम्बर तक श्रीमद भागवत कथा एवं ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है। इस दौरान कथा व्यास डॉ. नरेशचन्द शास्त्री जी द्वारा प्रतिदिन 12 बजे से भागवत कथा की अमृतवर्षा की जा रही है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तजन कथा का रसपान कर भगवतकृपा प्राप्त कर रहे है।

कथा का शुभारंभ 27 दिसम्बर को प्रातः 9 बजे सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा कलश यात्रा से हुई। तत्पश्चात पवन जी (पाई वाले, कैथल, हरियाणा) ने कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। जबकि दीप प्रज्ज्वलन पवन कुमार ऐलन (लोहिया मेन बाजार, जट्टारी) द्वारा किया गया। इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि श्री नारायण वर्मा (सर्राफा बाजार, जट्टारी) भी मौजूद रहे। श्रीमद भागवत कथा एवं ज्ञान यज्ञ की पूर्ण आहुति एवं भंडारा 4 दिसम्बर को प्रातः 11 बजे से होगा।

इन्द्रप्रस्थ अग्रवाल समाज (पंजी.) द्वारा 26 वां वार्षिक दीपावली मंगल मिलन, गोवर्धन पूजन एवं हास्य रस कवि सम्मेलन का आयोजन

नई दिल्ली। इन्द्रप्रस्थ अग्रवाल समाज (पंजी.) द्वारा 26 वां वार्षिक दीपावली मंगल मिलन, गोवर्धन पूजन एवं हास्य रस कवि सम्मेलन का कार्यक्रम 15 नवम्बर को उचित दूरी के नियमों का पालन करते हुए महाराजा अग्रसेन सभागार, आइपेक्स भवन में भव्य रूप में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश शर्मा, निगम पार्षद शशी चांदना, प्राईमा केयर फाउंडेशन के अध्यक्ष सुभाष जिंदल, बलदेव गुप्ता, मुख्य यजमान रमन अग्रवाल, दिलीप बिंदल, पूर्व विधायक नसीब सिंह, पूर्व निगम पार्षद श्रीमती गीता मनोज शर्मा सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। सीमित संख्या में उपस्थित सदस्यों के अतिरिक्त करीब 6500 से ज्यादा सदस्य जूम एवं फेसबुक के माध्यम से कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

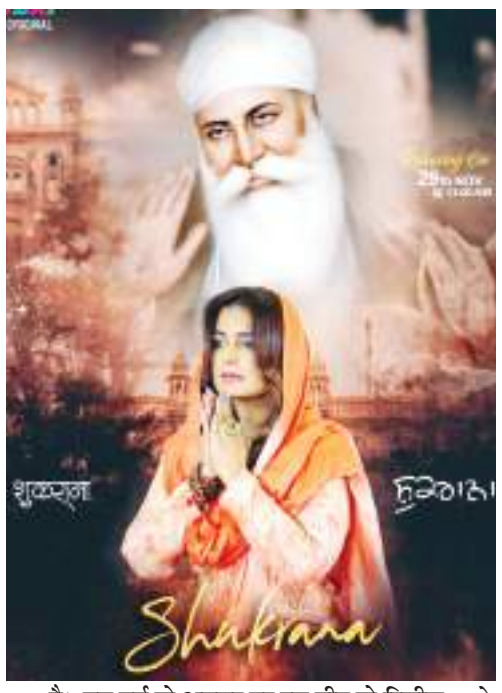

कार्यक्रम की शुरुआत में गोवर्धन महाराज जी का पूजन विद्वान ब्राह्मणों द्वारा किया गया। कवि सम्मेलन में देश के हास्य व्यंग्य के वरिष्ठ कवि, डॉ. प्रवीण शुक्ल के कुशल संचालन में राजेश चेतन, अनिल अग्रवंशी, श्रीमती मधु मोहनी एवं राजेश अग्रवाल ने अपने रचनात्मक कविता पाठ द्वारा कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की।

कार्यक्रम में सभी उपस्थित सदस्यों एवं अतिथियों ने अन्नकूट प्रसाद ग्रहण किया। अध्यक्ष सुशील गोयल, समाज के संस्थापक सुरेश बिंदल, संयोजक प्रभात अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, गिरीश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सतेंद्र अग्रवाल, महासचिव मुकेश गर्ग, विनीत गुप्ता तथा सभी अग्ररतन और सभी पूर्व अध्यक्ष शामिल हुए।

गुरु पर्व के शुभ अवसर पर अर्पिता बंसल का नया वीडियो सॉन्ग 'शुकराना' वाहेगुरु को समर्पित

नई दिल्ली। यू-ट्यूब की सनसनी सुप्रसिद्ध अभिनेत्री, समाजसेविका, वैदिक एस्ट्रोलॉजर, ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट, सैकड़ों पुरस्कारों से नवाजी जा चुकी अर्पिता बंसल का आज 29 नवम्बर को गुरु पर्व के अवसर पर नया वीडियो-ऑडियो सॉन्ग शुकराना रिलीज होने जा रहा है। इस सॉन्ग को सिख धर्म के प्रथम गुरु, गुरु नानक देव जी को समर्पित किया गया है। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है शुकराना, इसमें वाहेगुरु जी के प्रति की गई कृपा के प्रति सच्चे पातशाह गुरु नानक देव जी का विशेष रुप से शुकराना किया गया है कि आपकी कृपा और नाम से ही आज हम अस्तित्व में हैं। इस वीडियो एलबम की खूबी यह है कि इसकी फोटोग्राफी, शूटिंग आध्यात्मिकता के करीब है। जो भी इस सॉन्ग को कंप्यूटर, मोबाइल या म्यूजिक सिस्टम पर सुनेगा, गीत के बोल इतने रूहानी है कि बार-बार रिवाइंड करके सुनने को मजबूर होगा। हमेशा की तरह इसकी एक्टर-सिंगर अर्पिता बंसल ही हैं तथा म्यूजिक एवं लिरिक्स वजीर सिंह तथा प्रोडक्शन-डायरेक्शन श्री संधू का होगा। इस एल्बम को जारी करने का श्रेय यूकी म्यूजिक को है तथा यह गाना एप्पल आइट्यूंस, हंगामा, गाना डॉटकॉम, सावन, विंक म्यूजिक, रेडियो मिर्ची बजाओ पर तहलका मचाने को आतुर है। गुरु पर्व के अवसर पर इस गीत के रिलीज होते ही यह गीत सफलता के सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए कोरोना काल का सबसे सुपरहिट सॉन्ग बनने जा रहा है। यह सॉन्ग ही नहीं अर्पिता बंसल के अब तक के सभी सॉन्ग सुपरहिट सिद्ध हुए हैं और उनकी व्यूअरशिप लाखों-करोड़ों को टच कर चुकी है।

अर्पिता बंसल जी के यू-ट्यूब पर अनेक वीडियो सॉन्ग एवं एल्बम रिलीज हो चुके हैं जिनमें नखरे अदावां, मस्कारा, पंजाब, जट्टी होनी ना अफोर्ड, कैटवॉक, लकीरां, यारा, बिजी बिजी, माहिया इत्यादि प्रमुख है। अर्पिता बंसल एवं कुलदीप संधू का वेडिंग सॉन्ग भी खासी लोकप्रियता हासिल कर चुका है। अब तक अर्पिता जी का जो भी वीडियो सॉन्ग या एलबम रिलीज हुआ है उसने म्यूजिक जगत में सनसनी पैदा की है। यही कारण है कि टाइम्स म्यूजिक एवं अनेक जानी-मानी म्यूजिक कंपनियों ने अर्पिता बंसल के सुरीले हुनर और अदायगी की कद्र करते हुए उन्हें मौका दिया। आज अनेक म्यूजिक कंपनियां अर्पिता जी के साथ टाइअप कर रही हैं और यह कहा जाए कि उनका आज संगीत जगत में एकछत्र राज स्थापित होता जा रहा है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। अर्पिता बंसल म्यूजिक जगत के जाने-माने नामों के साथ काम कर रही हैं। अर्पिता जी की आवाज में ऐसा जादू है कि जो भी एक बार सुनता है उनका दीवाना हो जाता है, क्योंकि अर्पिता जी की आवाज और अदायगी का हुनर ही ऐसा है।